website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 354 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 30 नवंबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

यूक्रेन शांति योजना पर पुतिन का कड़ा रुख: शर्तें पूरी हुए बिना सीजफायर नामुमकिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन में युद्धविराम और शांति की कोशिशों के बीच रूस ने एक बार फिर अपना सख्त रुख स्पष्ट कर दिया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन के साथ किसी भी तरह का सीजफायर बिना शर्त संभव नहीं है। उनका साफ कहना है कि जब तक यूक्रेन विवादित इलाकों से अपने सैनिक नहीं हटाता, तब तक युद्ध विराम की कोई संभावना नहीं बनती। रूसी मीडिया के मुताबिक, राष्ट्रपति पुतिन किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित कलेक्टिव सिक्योरिटी ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (CSTO) की समिट में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने दोहराया कि रूस बार-बार स्पष्ट कर चुका है कि बिना शर्त सीजफायर की मांग अवास्तविक है। सीएसटीओ सोवियत संघ के बाद बने कुछ देशों का एक क्षेत्रीय सुरक्षा गठबंधन है। पुतिन ने कहा, "अगर यूक्रेनी सेना उन क्षेत्रों से हट जाती है, जिन पर रूस अपना दावा करता है, तो लड़ाई अपने आप खत्म हो जाएगी। हमें युद्ध रोकने के लिए लगातार फोन आ रहे हैं, लेकिन अगर यूक्रेन पीछे नहीं हटता, तो रूस सैन्य तरीकों से लक्ष्य हासिल करेगा।" न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, बिश्केक में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पुतिन ने कहा कि फिलहाल किसी अंतिम विकल्प पर बात करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, "कुछ बुनियादी बातें हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।" यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को में पुतिन से मुलाकात की थी। इस बीच ट्रंप के शांति प्रस्ताव को लेकर यह चर्चा भी तेज है कि वह रूस के पक्ष में झुका हुआ है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पुतिन ने कहा कि अमेरिका ने कुछ हद तक रूसी हितों को ध्यान में रखा है, लेकिन कई मुद्दों पर गंभीर और विस्तृत बातचीत अभी जरूरी है। पुतिन ने यह भी साफ किया कि रूस का यूरोप पर हमला करने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, "ऐसी बातें अजीब लगती हैं। न तो हमने ऐसा कभी सोचा और न ही ऐसा कोई प्लान है।" उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका की ओर से पेश किए गए 28-बिंदुओं वाले शांति प्रस्ताव की जानकारी उचित माध्यम से रूसी पक्ष को दी गई थी। गौरतलब है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 28 सूत्रीय पीस प्लान का प्रस्ताव रखा था। इस पर चर्चा के लिए अमेरिका, यूक्रेन और कई यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि जिनेवा में मिले थे। विचार-विमर्श के बाद इस प्रस्ताव को 28 से घटाकर 19 बिंदुओं में सीमित किया गया, हालांकि इसका अंतिम स्वरूप अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। कुल मिलाकर, पुतिन के ताजा बयान से साफ है कि यूक्रेन युद्ध पर रूस अपने रुख में फिलहाल कोई नरमी लाने को तैयार नहीं है, और शांति की राह अब भी कठिन बनी हुई है।

G-20 समिट पर ट्रंप का बड़ा हमला:
दक्षिण अफ्रीका को दी चेतावनी, सब्सिडी पर भी लगाई रोक

वॉशिंगटन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका में आयोजित G-20 शिखर सम्मेलन में संयुक्त राज्य अमेरिका ने हिस्सा नहीं लिया। इसे लेकर अमेरिकी प्रशासन की ओर से एक सख्त बयान जारी किया गया है। बयान में कहा गया है कि दक्षिण अफ्रीका सरकार ईसाइयों पर हो रही हत्याओं और मानवाधिकार उल्लंघनों पर चुप्पी साधे हुए है और दोषियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका को लेकर बड़ा ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा कि वर्ष 2026 में होने वाले G-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के मियामी शहर में किया जाएगा, लेकिन इसके लिए दक्षिण अफ्रीका को आमंत्रण नहीं भेजा जाएगा। इसके साथ ही अमेरिका की ओर से दक्षिण अफ्रीका को दी जा रही सभी प्रकार की सब्सिडी और भुगतान पर भी तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जा रही है।

ट्रंप ने लगाए गंभीर आरोप

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, "अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका में हुए G-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा इसलिए नहीं लिया क्योंकि वहां की सरकार अफ्रीकानर्स और डच, फ्रेंच एवं जर्मन मूल के लोगों के साथ हो रहे भीषण मानवाधिकार उल्लंघनों को न तो स्वीकार कर रही है और न ही उनसे निपट रही है। साफ शब्दों में कहा जाए तो वहां श्वेत समुदाय के लोगों की हत्याएं हो रही हैं और उनकी जमीनें व खेत छीने जा रहे हैं।" उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जल्द ही बंद होने वाला न्यूयॉर्क टाइम्स और तथाकथित फेक न्यूज मीडिया इस कथित नरसंहार पर चुप है। ट्रंप ने कहा कि कट्टर वामपंथी मीडिया के झूठ और पाखंड के कारण ही ऐसे संस्थान धीरे-धीरे बंद हो रहे हैं।

G-20 अध्यक्षता सौंपने से इनकार पर नाराजगी

डोनाल्ड ट्रंप ने G-20 समिट को लेकर कहा कि शिखर सम्मेलन के समापन के दिन दक्षिण अफ्रीका ने कार्यक्रम में मौजूद अमेरिकी दूतावास के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि को G-20 की अध्यक्षता सौंपने से इनकार कर दिया। इसी कारण उनके निर्देश पर अब दक्षिण अफ्रीका को 2026 में होने वाले G-20 सम्मेलन में आमंत्रित नहीं किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, "दक्षिण अफ्रीका ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच की सदस्यता के योग्य नहीं है। इसलिए हम उन्हें दिए जा रहे सभी भुगतानों और सब्सिडी को तत्काल प्रभाव से रोक रहे हैं।"

पुतिन की भारत यात्रा से भारत-रूस संबंधों को नई गति, 2030 तक 100 अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आगामी भारत यात्रा और इसके साथ आयोजित होने वाला भारत-रूस बिजनेस फोरम दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को और मजबूत करने के लिए अहम मंच साबित होगा। यह बात फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन्स (फियो) ने शुक्रवार को कही। पुतिन 23वीं भारत-रूस वार्षिक समिट में हिस्सा लेने के लिए 4-5 दिसंबर को भारत के दौरे पर रहेंगे। ताजा व्यापारिक आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल-अगस्त) के दौरान भारत का रूस को निर्यात 1.84 अरब डॉलर रहा, जबकि रूस से आयात 26.45 अरब डॉलर दर्ज किया गया। इससे पहले, वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच वस्तुओं का कुल द्विपक्षीय व्यापार रिकॉर्ड 68.7 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। इसमें भारत का निर्यात करीब 4.88 अरब डॉलर, जबकि आयात 63.84 अरब डॉलर रहा। आयात में मुख्य रूप से कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद, उर्वरक और अन्य कच्चा माल शामिल था। फियो के अनुसार, वर्ष 2021 से लेकर पिछले चार वर्षों में भारत-रूस वस्तु व्यापार में तेज बढ़ोतरी हुई है। यह व्यापार करीब 13 अरब डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 68 अरब डॉलर तक पहुंच गया, यानी इसमें पांच गुना से अधिक वृद्धि हुई है। दोनों देशों ने आपसी सहमति से 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है। फियो अध्यक्ष एस.सी. रल्हन ने कहा कि भारत के पास फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग व इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि उत्पाद, ऑटोमोबाइल व ऑटो-कंपोनेंट्स और आईटी सेवाओं जैसे क्षेत्रों में रूस को निर्यात बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रूस से कई पश्चिमी कंपनियों के बाहर निकलने से भारतीय निर्यातकों के लिए अलग-अलग सेक्टरों में नए अवसर पैदा हुए हैं। साथ ही, द्विपक्षीय निवेश भी लगातार बढ़ रहा है और 2025 तक इसे 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। फियो के मुताबिक, भारत में रूसी निवेश मुख्य रूप से तेल-गैस, पेट्रोकेमिकल्स, बैंकिंग, रेलवे और इस्पात क्षेत्रों में है, जबकि रूस में भारतीय निवेश अधिकतर तेल-गैस और फार्मास्यूटिकल्स में केंद्रित है। रल्हन ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (INSTC) जैसे लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के पुनरुद्धार और विस्तार से भारत-रूस व्यापार अब ज्यादा लागत-प्रभावी और सुगम हो गया है। उनके अनुसार, पुतिन की भारत यात्रा से रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा मिलेगी और आर्थिक रिश्तों में और तेजी आने की उम्मीद है।

ऑपरेशन सागर बंधु:
भारत ने श्रीलंका को 12 टन अतिरिक्त राहत सामग्री भेजी
-आपदा में अब तक 69 लोगों की मौत

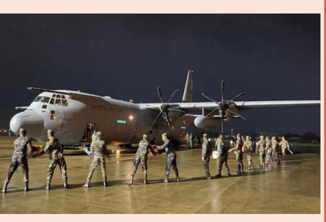

नई दिल्ली । श्रीलंका में आए विनाशकारी दित्वाह तूफान ने भारी तबाही मचाई है। अब तक इस आपदा में 69 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 34 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए भारत ने अपने करीबी समुद्री पड़ोसी की मदद के लिए ऑपरेशन सागर बंधु के तहत राहत प्रयास तेज कर दिए हैं। शनिवार को भारतीय वायुसेना का सी-130जे विमान करीब 12 टन मानवीय राहत सामग्री लेकर कोलंबो पहुंचा। इस खेप में टेंट, तिरपाल, कंबल, हाइजीन किट और रेडी-टू-ईट भोजन शामिल है, जिससे तूफान से प्रभावित लोगों को तुरंत राहत मिल सके। इससे पहले शुक्रवार को भी भारत ने इसी ऑपरेशन के तहत श्रीलंका को सहायता सामग्री भेजी थी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, "ऑपरेशन सागर बंधु शुरू हो गया है। भारतीय वायुसेना का सी-130जे विमान लगभग 12 टन मानवीय सहायता लेकर कोलंबो पहुंचा है, जिसमें टेंट, तिरपाल, कंबल, हाइजीन किट और खाने के लिए तैयार भोजन शामिल है।" हवाई मदद के साथ-साथ भारतीय नौसेना ने भी मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) के तहत तुरंत सहयोग दिया है। आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरी से प्रभावित परिवारों के लिए 4.5 टन सूखा राशन, 2 टन ताजा राशन और अन्य आवश्यक राहत सामग्री भेजी गई। श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि ऑपरेशन सागर बंधु लगातार जारी है और भारत इस कठिन समय में श्रीलंका के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि यह कदम भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दित्वाह तूफान में जान गंवाने वालों के प्रति शोक व्यक्त किया था। उन्होंने एक्स पर लिखा, "श्रीलंका के उन सभी लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है जिन्होंने इस तूफान में अपने प्रियजनों को खोया है। मैं प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, पुनर्वास और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।" पीएम मोदी ने यह भी कहा था कि विजन महासागर और नेबरहुड फर्स्ट नीति के तहत भारत जरूरत के समय श्रीलंका के साथ खड़ा रहेगा और हालात के अनुसार आगे भी हरसंभव मदद देने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था तेज़ी से आगे बढ़ रही है - योगी आदित्यनाथ

नई दिल्ली । जीडीपी ग्रोथ रेट पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती, स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों और अमेरिकी टैरिफ के दबाव के बावजूद जुलाई-सितंबर तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 8.2 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, 'वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ लगातार सुधारों, स्थिर शासन और विकास-केंद्रित दृष्टिकोण की सफलता को दर्शाती है। नया भारत आत्मविश्वास के साथ, महत्वाकांक्षी सोच और दीर्घकालिक विकास के स्पष्ट रोडमैप के साथ आगे बढ़ रहा है।' अमेरिकी टैरिफ के दबाव के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था की इस मजबूत प्रदर्शन पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

जीडीपी ग्रोथ रेट देश की प्रगति का स्पष्ट संदेश

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। जीडीपी ग्रोथ रेट यह संदेश देती है कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को प्रगति के रास्ते पर बढ़ने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि आज भारत सभी क्षेत्रों में विकास कर रहा है और मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि देश पहले से अधिक सुरक्षित दिखाई दे रहा है और पूरी दुनिया इस बात को स्वीकार कर रही है। भारत के खिलाफ साजिश करने वालों को हर मोर्चे पर मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है।

पीएम मोदी के मार्गदर्शन में संभव हुई बड़ी आर्थिक छलांग

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भारत ने जीडीपी के स्तर पर बड़ी छलांग लगाई है और यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हर सेक्टर में तेज़ी से काम हुआ है। कृषि विज्ञान से लेकर अंतरिक्ष विज्ञान तक भारत दुनिया के साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, "जीडीपी की ग्रोथ यह एहसास कराती है कि भारत आर्थिक क्षेत्र में तेज़ी से आगे बढ़ा है। वर्ष 2014 में भारत अर्थव्यवस्था के मामले में 11वें स्थान पर था, जो अब चौथे स्थान पर है और जल्द ही हम तीसरे स्थान पर पहुंचेंगे।"

दिल्ली ब्लास्ट केस में जांच तेज:
निजी अस्पतालों से विदेश से पढ़े डॉक्टरों की जानकारी मांगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली ब्लास्ट मामले में जांच लगातार तेज की जा रही है। दिल्ली पुलिस ने राजधानी के सभी निजी अस्पतालों को नोटिस जारी कर उन डॉक्टरों की जानकारी मांगी है, जिन्होंने विदेश से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है और इस समय दिल्ली में प्रैक्टिस कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि यह कदम सुरक्षा कारणों के तहत उठाया गया है। पुलिस ने विशेष रूप से पाकिस्तान, बांग्लादेश, यूएई और चीन से मेडिकल की पढ़ाई करने वाले डॉक्टरों की जानकारी मांगी है। अधिकारियों के अनुसार, अस्पताल प्रशासन को अपने यहां कार्यरत ऐसे सभी डॉक्टरों की पूरी डिटेल पुलिस को उपलब्ध करानी होगी। इसमें उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि, वर्तमान कार्यस्थल और अन्य जरूरी जानकारियां शामिल होंगी। इस बीच दिल्ली ब्लास्ट केस में एनआईए की कार्रवाई भी जारी है। 26 नवंबर को नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने आरोपी शोएब को 10 दिन की रिमांड पर लिया है। शोएब को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया गया था और उसे पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया, जहां से एनआईए को रिमांड की मंजूरी मिली।

दिल्ली ब्लास्ट केस में एनआईए की जांच

दिल्ली ब्लास्ट मामले में एक अन्य आरोपी आमिर राशिद अली, जिसकी एनआईए कस्टडी उसी दिन समाप्त हो रही थी, उसे भी कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसकी कस्टडी को 7 दिन और बढ़ा दिया है। एनआईए के अनुसार, शोएब ने डॉ. उमर मोहम्मद, जिसे उमर उन नबी के नाम से भी जाना जाता है, को बम विस्फोट से ठीक पहले पनाह दी थी। इसके अलावा उसने विस्फोट की साजिश को अंजाम देने में जरूरी लॉजिस्टिक सपोर्ट भी प्रदान किया। यह कार बम ब्लास्ट 10 नवंबर को लाल किले के पास हुआ था, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। शोएब इस मामले में गिरफ्तार किया गया सातवां आरोपी है। इससे पहले एनआईए ने उमर के छह करीबी सहयोगियों को गिरफ्तार किया था। एनआईए ने बताया कि वह सुसाइड बॉम्बिंग से जुड़े सभी संभावित सबूतों और संदिग्धों तक पहुंचने के लिए कई राज्यों में लगातार छापेमारी कर रही है। एजेंसी का उद्देश्य इस हमले के पीछे काम कर रहे पूरे आतंकी नेटवर्क को बेनकाब करना और उसके सभी सदस्यों को गिरफ्तार करना है।

एविएशन अलर्ट:
एयरबस A320 बेड़े पर सोलर रेडिएशन का खतरा, भारत के 250 विमान प्रभावित

नई दिल्ली। एयरबस A320 सीरीज़ के विमानों से जुड़ी एक संभावित तकनीकी खामी ने वैश्विक एविएशन सेक्टर में चिंता बढ़ा दी है। एयरबस द्वारा सॉफ्टवेयर अपडेट की घोषणा के बाद विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सोलर रेडिएशन से उत्पन्न यह जोखिम केवल उड़ान संचालन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों पर भी पड़ सकता है। एविएशन एक्सपर्ट सुभाष गोयल के अनुसार, दुनिया भर में 6000 से अधिक एयरबस A320 एयरक्राफ्ट इस समस्या के दायरे में आ सकते हैं। भारत में लगभग 250 A320 विमान इससे प्रभावित होंगे। उन्होंने बताया कि नए मॉडल के A320 विमानों में आवश्यक सॉफ्टवेयर अपडेट 2 से 3 घंटे में पूरा किया जा सकता है, जबकि पुराने मॉडल के विमानों में यह प्रक्रिया 1 से 2 दिन तक चल सकती है। इस अवधि में फ्लाइट शेड्यूल प्रभावित होने की संभावना है, जिससे बिजनेस ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

तकनीकी समस्या कैसे सामने आई

यह खामी तब उजागर हुई जब एक A320 विमान उड़ान के दौरान अचानक तकनीकी गड़बड़ी का शिकार हो गया और उसका कंप्यूटर सिस्टम बंद नहीं हो सका। जांच में सामने आया कि अधिक सोलर रेडिएशन की वजह से कंप्यूटर सिस्टम ओवरहीट हो गया था। चूंकि आधुनिक विमान पूरी तरह अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर पर निर्भर होते हैं, इसलिए समय पर अपडेट न होना गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है।

एयरलाइंस और DGCA की तैयारी

एविएशन एक्सपर्ट सनत कौल ने बताया कि एयरबस ने सभी एयरलाइंस को तत्काल सॉफ्टवेयर अपडेट के निर्देश जारी किए हैं। इंडिगो और एयर इंडिया ने अपडेट प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं, डीजीसीए ने A318, A319, A320 और A321 विमानों के लिए नई सेफ्टी गाइडलाइंस लागू करते हुए स्पष्ट किया है कि निर्धारित सुरक्षा मानकों को पूरा किए बिना किसी भी विमान को सेवा में शामिल नहीं किया जाएगा।

घोसी उपचुनाव से पहले अखिलेश यादव ने बीजेपी और चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाया
-"एसआईआर प्रक्रिया के बहाने वोट काटने और संविधान पर हमला करने की कोशिश का लगाया आरोप"

यूपी। उत्तर प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर जोरदार हमला किया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में शनिवार (29 नवंबर) को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि एसआईआर के बहाने संविधान को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। घोसी में उपचुनाव से पहले हर विधानसभा में 20 हजार वोट काटने के निर्देश दिए गए हैं। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि घोसी में अभी सुधाकर सिंह की तेरहवीं भी नहीं हो पाई है, बीजेपी ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। हर विधानसभा में 20-20 हजार वोट काटने के निर्देश दे दिए गए हैं। मऊ, सदर विधानसभा से 20,000 वोट काट दिए गए हैं। घोसी लोकसभा के हर एक विधानसभा में 20,000 वोट काटे जा रहे हैं। अभी भी कई गांवों में बीएलओ नहीं गए हैं। सपा चीफ अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि एसआईआर को लेकर बीजेपी इतनी जल्दबाजी में क्यों हैं। चुनाव आयोग और बीजेपी दोनों मिले हुए हैं। सरकारी डेटा बता रहा है कि सभी फॉर्म बांटे जा चुके हैं, लेकिन ग्राउंड पर ऐसा नहीं है। ये सोची-समझी साजिश है कि संविधान के तहत जो हमें वोट डालने का अधिकार है उसे छीनने की तैयारी है।

अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग पर लगाए आरोप

सपा अध्यक्ष ने कहा कि एसआईआर के बहाने आरक्षण छीनने की कोशिश हो रही है। ये आपकी पहचान छीन लेंगे, वोट डालने का अधिकार छीन लेंगे। आपके ऊपर उल्टे-सीधे दबाव बनाए जाएंगे। देश में संविधान को खत्म किया जा रहा है। बीजेपी सारे वोटर का डेटा जुटा रही है। बीजेपी संसाधन से मजबूत पार्टी है। उन्होंने कंपनी हायर की हुई है, जो उनका डिजिटल काम देख रही हैं। आपको किसी विधानसभा की डिजिटल कॉपी चाहिए, वहां से तुरंत इसकी जानकारी मिल जाएगी। बीजेपी हर बूथ का डेटा इकट्ठा कर रही है, जबकि हमारा वोट तो किसी को पता भी चलना चाहिए। ये सब सोची-समझी साजिश के तहत देश से लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश हो रही है। ये दुख की बात है कि संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। ये लोग संविधान को नहीं मानते हैं।

'चुनाव आयोग के हाथ खून से सने हैं'

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि बंगाल के लोग कह रहे हैं कि चुनाव आयोग के हाथ खून से सने हुए हैं। जो काम बीएलओ नहीं कर पा रहे हैं, वो काम सफाई कर्मचारी कर रहे हैं, उन्हें भी एसआईआर के काम में लगाया गया है। अखिलेश यादव ने कहा कि हमने तो चुनाव आयोग को उपचुनाव में भी देखा है कि जो-जो बीजेपी करना चाहती थी, वो सब होने दिया। सीसीटीवी में सब है कि आपको किन लोगों ने वोट दिया है, इसलिए सीसीटीवी भी नहीं दिया जा रहा है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही तय करना क्यों है समय की मांग

सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही आज के समय की एक बड़ी और जटिल चुनौती बन चुकी है। इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति की आज़ादी को नई ताकत दी है, लेकिन उसी के साथ अश्लील, आपत्तिजनक, भ्रामक और अवैध सामग्री का प्रसार भी तेजी से बढ़ा है। इस पर नियंत्रण कैसे हो, यह सवाल न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में लंबे समय से विचार और बहस का विषय बना हुआ है। समस्या यह है कि ऐसा कोई सर्वमान्य रास्ता अब तक नहीं निकल पाया है, जिससे अभिव्यक्ति की आज़ादी भी बनी रहे और समाज को नुकसान पहुंचाने वाली सामग्री पर प्रभावी रोक भी लग सके। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी ने इस बहस को एक बार फिर केंद्र में ला दिया है। अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट से जुड़ी एक सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने सरकार को इस दिशा में गंभीर कदम उठाने की जरूरत बताई। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने साफ कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के स्वनियमन का मॉडल संतोषजनक नहीं है और इस क्षेत्र में एक स्वतंत्र नियामक संस्था की जरूरत महसूस की जा रही है। अदालत का मानना है कि बिना जवाबदेही तय हुए सोशल मीडिया कंपनियों से जिम्मेदार व्यवहार की उम्मीद करना व्यावहारिक नहीं है। सोशल मीडिया कंपनियां अक्सर यह दलील देकर खुद को जिम्मेदारी से अलग कर लेती हैं कि वे केवल उपयोगकर्ताओं को मंच उपलब्ध कराती हैं, कंटेंट का निर्माण वे नहीं करतीं। यह बात आंशिक रूप से सही हो सकती है, लेकिन पूरी सच्चाई नहीं है। हकीकत यह है कि ये कंपनियां अपने एल्गोरिदम के माध्यम से यह तय करती हैं कि कौन-सा कंटेंट ज्यादा लोगों तक पहुंचेगा और कौन-सा दबा दिया जाएगा। विवादित, सनसनीखेज और भावनात्मक कंटेंट को अधिक तेजी से वायरल कर मुनाफा कमाने की प्रवृत्ति इन प्लेटफॉर्म्स में साफ दिखाई देती है। ऐसे में यह कहना कि उनकी कोई भूमिका नहीं है, वास्तविकता से आंख चुराने जैसा है। भारत में फिलहाल आपत्तिजनक या अवैध पोस्ट हटाने का अधिकार सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के पास है। समय-समय पर मंत्रालय सोशल मीडिया कंपनियों को निर्देश देता है, लेकिन इन कार्रवाइयों पर राजनीतिक प्रभाव का आरोप भी अक्सर लगता रहता है। यही वजह है कि एक स्वतंत्र और निष्पक्ष नियामक संस्था की मांग जोर पकड़ रही है, जो सरकार और कंपनियों दोनों से समान दूरी बनाए रख सके। ऐसा तंत्र न केवल पारदर्शिता बढ़ाएगा बल्कि जनता का भरोसा भी कायम कर सकेगा। यह समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं है। दुनिया के कई देशों ने इस चुनौती से निपटने के लिए अलग-अलग रास्ते अपनाए हैं। यूरोपीय संघ का डिजिटल सर्विस एक्ट इसका एक अहम उदाहरण है। इसके तहत बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों को यह बताना अनिवार्य होता है कि उनके एल्गोरिदम किस तरह के कंटेंट को बढ़ावा दे रहे हैं और उसके पीछे क्या वजह है।

ट्रंप की शांति पहल से युद्धविराम की उम्मीद, लेकिन रूस समर्थक मसौदे ने यूक्रेन की संप्रभुता और भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े किए

-अमेरिकी प्रस्ताव पर जेलेंस्की की सहमति, यूरोप आशंकित, पुतिन को रणनीतिक बढ़त मिलने की संभावना

रूस–यूक्रेन युद्ध को लगभग तीन साल होने को हैं। यह जंग सिर्फ दो देशों के बीच की लड़ाई नहीं रह गई, बल्कि यह वैश्विक शक्ति-संतुलन, नाटो बनाम रूस, और अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय भूमिका का प्रतीक बन चुकी है। अब जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की अगुवाई में एक नई शांति पहल सामने आई है, तो दुनिया भर की निगाहें इस पर टिकी हैं। पश्चिमी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इस शांति प्रस्ताव को कुछ संशोधनों के साथ स्वीकार करने पर सहमति जता दी है। मगर सवाल यह है कि क्या यह वाकई शांति की ओर बढ़ता कदम है, या यूक्रेन पर थोपी जा रही एक ऐसी मजबूरी, जो लंबे समय में उसे कमजोर और असुरक्षित बना देगी?

युद्ध की पृष्ठभूमि: एक लंबा और थकाऊ संघर्ष

फरवरी 2022 में शुरू हुआ रूस–यूक्रेन युद्ध आज भी यूरोप की सरज़मीन को झुलसा रहा है। हजारों सैनिक मारे गए, लाखों लोग बेघर हुए और यूक्रेन का बड़ा हिस्सा खंडहर में तब्दील हो गया। पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को सैन्य और आर्थिक मदद दी, लेकिन इसके बावजूद युद्ध किसी निर्णायक मोड़ तक नहीं पहुंच सका। रूस अपने कब्जे वाले इलाकों को छोड़ने को तैयार नहीं दिखा और यूक्रेन की जवाबी कार्रवाई भी सीमित साबित हुई। यूरोप में ऊर्जा संकट, महंगाई और राजनीतिक अस्थिरता ने इस युद्ध को पश्चिमी देशों के लिए भी भारी बना दिया। अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बाद ट्रंप प्रशासन ने साफ कर दिया कि वह इस युद्ध को अनंत काल तक खींचने के पक्ष में नहीं है।

ट्रंप की चुनावी राजनीति और शांति का दावा

डॉनल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि वे व्हाइट हाउस में कदम रखते ही 24 घंटे के भीतर यूक्रेन युद्ध खत्म कर देंगे। उस वक्त इसे एक सियासी नारा माना गया, लेकिन सत्ता में आने के बाद ट्रंप ने इसे अपनी प्राथमिकता बना लिया। लगभग हर अहम बयान और हर रणनीतिक बैठक में यूक्रेन युद्ध का जिक्र हुआ।

ट्रंप की सोच साफ है — अमेरिका अब "दुनिया का पुलिसमैन" नहीं बनेगा, यूरोप को अपने सुरक्षा खर्च की जिम्मेदारी खुद उठानी होगी, अमेरिका की प्राथमिकता घरेलू अर्थव्यवस्था और सीमाओं की सुरक्षा होगी, इसी सोच के तहत ट्रंप ने युद्ध समाप्त करने के लिए एक विस्तृत शांति योजना पर काम शुरू कराया।

28 सूत्री योजना से 19 बिंदुओं तक का सफर

शुरुआत में ट्रंप प्रशासन ने 28 सूत्रों वाली एक शांति योजना तैयार की थी। इसमें युद्धविराम, सीमाओं का निर्धारण, सुरक्षा गारंटी, और आर्थिक पुनर्निर्माण जैसे बिंदु शामिल थे। लेकिन जैसे-जैसे यूक्रेन और यूरोपीय देशों की प्रतिक्रियाएं आईं, इस योजना में बदलाव होते गए। आखिरकार यह योजना संशोधित होकर 19 बिंदुओं तक सीमित कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इन्हीं संशोधित बिंदुओं पर जेलेंस्की ने "सैद्धांतिक सहमति" दी है।

अबू धाबी वार्ता: बंद दरवाजों के पीछे की कूटनीति

अमेरिका, रूस और यूक्रेन के अधिकारी इस समय अबू धाबी में अंतिम मसौदे पर चर्चा कर रहे हैं। यह स्थान अपने आप में एक संदेश है — पश्चिम से दूर, तटस्थ जमीन पर, बिना यूरोप की सीधी दखलअंदाजी के। खबर है कि समझौते के फाइनल ड्राफ्ट पर हस्ताक्षर के लिए जेलेंस्की वाशिंगटन जा सकते हैं। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि रूस, खासकर क्रेमलिन, इस मसौदे को उसी रूप में स्वीकार करेगा या नहीं।

योजना के मुख्य बिंदु: क्यों कहा जा रहा है इसे रूस-समर्थक?

यूरोपीय सहयोगियों और कई रणनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप की शांति योजना रूस के पक्ष में झुकी हुई है। इसके पीछे कुछ अहम वजहें हैं—

क्षेत्रीय यथास्थिति को मान्यता: प्रस्तावित योजना में रूस के कब्जे वाले कई इलाकों की स्थिति पर खुलकर सवाल नहीं उठाया गया है। इसका अर्थ यह है कि यूक्रेन को अपने कुछ भूभाग से हाथ धोना पड़ सकता है।

नाटो सदस्यता पर चुप्पी: यूक्रेन की लंबे समय से इच्छा रही है कि वह नाटो का हिस्सा बने। लेकिन इस योजना में यूक्रेन की नाटो सदस्यता को लेकर कोई ठोस गारंटी नहीं दी गई।

रूस पर प्रतिबंधों में नरमी के संकेत: शांति समझौते के बदले रूस पर लगे कुछ आर्थिक प्रतिबंध हटाने की बात सामने आ रही है, जिससे क्रेमलिन को बड़ा फायदा मिल सकता है।

यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी कमजोर: योजना में यूक्रेन को दी जाने वाली सुरक्षा गारंटी अस्पष्ट और सीमित बताई जा रही है। यही कारण है कि कई यूरोपीय नेता इसे "पुतिन-समर्थित मसौदा" कहने से नहीं झिझक रहे।

जेलेंस्की की मजबूरी: सहमति या हार?

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सामने कठिन विकल्प हैं। युद्ध जारी रखने का मतलब है मानवीय और आर्थिक तबाही, शांति समझौते का मतलब है कुछ कड़वी शर्तों को स्वीकार करना, अमेरिकी मदद में संभावित कटौती और यूरोपीय देशों की थकान ने यूक्रेन की स्थिति और कमजोर कर दी है। ऐसे में जेलेंस्की के लिए यह सहमति एक "रणनीतिक मजबूरी" बन गई है। संशोधनों के बाद जेलेंस्की संतुष्ट जरूर दिख रहे हैं, लेकिन उनके देश के भीतर इस फैसले पर गहरी बहस छिड़ चुकी है। कई लोग इसे यूक्रेन के राष्ट्रीय हितों से समझौता मान रहे हैं।

यूरोप की चिंता: अगला निशाना कौन?

यूरोपीय देशों की चिंता सिर्फ यूक्रेन तक सीमित नहीं है। वे मानते हैं कि अगर रूस को यूक्रेन में "इनाम" मिल गया, तो भविष्य में वह और आक्रामक हो सकता है। बाल्टिक देश, पोलैंड और पूर्वी यूरोप के कई राष्ट्र इस मसौदे से असहज महसूस कर रहे हैं। यूरोप का तर्क है कि यह समझौता "शांति से ज़्यादा स्थिरता का भ्रम" पैदा करेगा।

रूस की स्थिति: पुतिन की रणनीतिक बढ़त?

क्रेमलिन की तरफ से अभी तक स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन संकेत यही हैं कि रूस इस मसौदे को गंभीरता से देख रहा है। अगर यह समझौता मौजूदा नियंत्रण रेखाओं को मान्यता देता है, तो पुतिन इसे अपनी कूटनीतिक जीत मान सकते हैं। रूस के लिए यह युद्ध पश्चिम के खिलाफ एक लंबे संघर्ष का हिस्सा रहा है, और ट्रंप की योजना उसे सम्मानजनक निकास का रास्ता देती दिख रही है।

अमेरिका की प्राथमिकताएं: शांति या स्वार्थ?

ट्रंप की शांति पहल को अमेरिका की नई विदेश नीति के आईने में देखना जरूरी है। अमेरिका अब लंबे युद्धों से बाहर निकलना चाहता है, घरेलू राजनीति में "अमेरिका फर्स्ट" फिर से हावी है, चीन से मुकाबला ट्रंप प्रशासन की असली प्राथमिकता है, इस संदर्भ में यूक्रेन युद्ध का अंत अमेरिका के लिए रणनीतिक राहत ला सकता है, भले ही इसकी कीमत यूक्रेन को चुकानी पड़े।

क्या यह टिकाऊ शांति होगी?

इतिहास गवाह है कि जल्दबाजी में किए गए शांति समझौते अक्सर नए संघर्षों की नींव रखते हैं।

अगर यूक्रेन की संप्रभुता और सुरक्षा को लेकर ठोस इंतजाम नहीं हुए, तो यह संघर्ष कुछ सालों में दोबारा भड़क सकता है। विश्लेषकों के अनुसार, बिना स्पष्ट सुरक्षा गारंटी शांति अधूरी रहेगी, यूक्रेन के भीतर असंतोष बढ़ सकता है, रूस को दोबारा दबाव बनाने का मौका मिल सकता है। डॉनल्ड ट्रंप की शांति पहल निश्चित रूप से रूस–यूक्रेन युद्ध को एक नए मोड़ पर ले आई है। यह पहल युद्धविराम की उम्मीद जरूर जगाती है, लेकिन इसके भीतर छुपे शक्ति-संतुलन और राजनीतिक स्वार्थ नजरअंदाज नहीं किए जा सकते। यह सवाल अब भी कायम है कि क्या यह शांति यूक्रेन के लिए न्यायपूर्ण होगी।

मोबाइल युग में बढ़ते साइबर अपराध: डिजिटल सुविधा के साथ बढ़ता खतरा, सतर्कता और मजबूत सुरक्षा उपायों की सख्त जरूरत

-ऑनलाइन ठगी से बचाव के लिए सरकार, संस्थान और आम नागरिकों की साझा जिम्मेदारी बेहद जरूरी

मोबाइल फोन आज केवल संपर्क का साधन नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। बैंकिंग से लेकर पढ़ाई, नौकरी, खरीदारी और मनोरंजन—हर काम मोबाइल के जरिए हो रहा है। एक ओर जहां मोबाइल ने जीवन को आसान बनाया है, वहीं दूसरी ओर इसके दुरुपयोग की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। खासकर साइबर अपराध ने आम आदमी की नींद उड़ा दी है। आए दिन मोबाइल कॉल, मैसेज, लिंक और ऐप के जरिए लोगों के बैंक खाते साफ किए जा रहे हैं। कई मामलों में जीवनभर की जमा-पूंजी कुछ ही मिनटों में साइबर अपराधियों के हाथ लग जाती है। ऐसे हालात में साइबर अपराधियों से बचाव केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज और हर व्यक्ति की भी उतनी ही बड़ी भूमिका है।

साइबर अपराध क्या है?

साइबर अपराध वह अपराध है, जिसमें इंटरनेट, कंप्यूटर, मोबाइल या डिजिटल तकनीक के माध्यम से किसी व्यक्ति, संस्था या सरकार को नुकसान पहुंचाया जाता है। इसमें ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, पहचान चोरी, बैंकिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, डेटा चोरी, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग, फर्जी कॉल सेंटर के जरिए धोखाधड़ी जैसे कई अपराध शामिल हैं। साइबर अपराध का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि इसमें अपराधी दूर बैठकर ही वारदात को अंजाम दे देता है और पीड़ित को नुकसान का अहसास तब होता है, जब बहुत देर हो चुकी होती है।

मोबाइल का बढ़ता दुरुपयोग

आज लगभग हर व्यक्ति के हाथ में स्मार्टफोन है। डिजिटल इंडिया अभियान के बाद से ऑनलाइन लेन-देन तेजी से बढ़ा है। यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग, वॉलेट और ऑनलाइन शॉपिंग ने सुविधाएं तो दीं, लेकिन साइबर अपराधियों के लिए नए रास्ते भी खोल दिए। मोबाइल के जरिए लोग आसानी से अपने बैंक अकाउंट, आधार, पैन और निजी दस्तावेजों तक पहुंच बना लेते हैं। साइबर अपराधी इसी सुविधा का फायदा उठाकर लोगों की छोटी-सी गलती को बड़ी चूक में बदल देते हैं। कई बार लोग अनजान नंबर से आए कॉल पर भरोसा कर लेते हैं। कोई खुद को बैंक अधिकारी बताता है, कोई पुलिस या सरकारी कर्मचारी बनकर डराने लगता है, तो कोई केवाईसी अपडेट के नाम पर लिंक भेज देता है। एक क्लिक करते ही मोबाइल हैक हो जाता है या बैंक खाते से पैसे गायब हो जाते हैं।

बढ़ते साइबर अपराध के कारण

साइबर अपराधों के बढ़ने के पीछे कई कारण हैं। पहला, डिजिटल साक्षरता की कमी। आज भी बड़ी संख्या में लोग इंटरनेट और मोबाइल तकनीक का इस्तेमाल तो करते हैं, लेकिन उसकी पूरी जानकारी नहीं रखते। दूसरा बड़ा कारण है लालच। ज्यादा मुनाफे, सस्ते ऑफर या इनाम के चक्कर में लोग आसानी से ठगों के झांसे में आ जाते हैं। तीसरा कारण है कानून और तकनीक के बीच की दूरी। साइबर अपराधी नए-नए तरीके अपनाते रहते हैं, जबकि कानून और जांच एजेंसियों को उन तक पहुंचने में समय लगता है। इसके अलावा, कई लोग शर्म या डर की वजह से साइबर अपराध की शिकायत ही नहीं करते, जिससे अपराधियों के हौसले और बढ़ जाते हैं।

साइबर अपराधियों के नए हथकंडे

साइबर अपराधी लगातार अपने तरीके बदल रहे हैं। पहले केवल कॉल या मैसेज के जरिए ठगी होती थी, अब फर्जी ऐप्स, नकली वेबसाइट, डीपफेक वीडियो और एआई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों से दोस्ती की जाती है, फिर धीरे-धीरे भरोसा जीतकर ठगी को अंजाम दिया जाता है। हाल के वर्षों में "डिजिटल अरेस्ट" और "वीडियो कॉल स्कैम" जैसे मामले सामने आए हैं, जहां अपराधी खुद को जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल पर लोगों को डराते हैं और उनसे पैसे ऐंठ लेते हैं। इसी तरह ऑनलाइन निवेश, क्रिप्टोकरेंसी और शेयर बाजार में ज्यादा मुनाफे का झांसा देकर भी लोगों को ठगा जा रहा है।

आम आदमी पर साइबर अपराध का असर

साइबर अपराध का असर केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं है। इससे मानसिक तनाव, डर और अविश्वास भी पैदा होता है। जिस व्यक्ति की जीवनभर की कमाई कुछ पलों में गायब हो जाती है, वह मानसिक रूप से टूट जाता है। कई मामलों में लोग कर्ज में डूब जाते हैं, परिवार में तनाव बढ़ता है और आत्मविश्वास खत्म हो जाता है। इसके अलावा, पहचान चोरी और डेटा लीक से व्यक्ति की निजी जिंदगी भी खतरे में पड़ जाती है। अपराधी गलत तरीके से किसी के नाम और फोटो का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे सामाजिक बदनामी भी हो सकती है।

सरकार की जिम्मेदारी और भूमिका

साइबर अपराधों से निपटने के लिए सरकार की भूमिका बेहद अहम है। सबसे पहले, मजबूत साइबर कानूनों की जरूरत है, ताकि अपराधियों को सख्त सजा मिल सके। साथ ही, कानून का तेजी से क्रियान्वयन भी जरूरी है, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके। सरकार को साइबर पुलिस और जांच एजेंसियों को आधुनिक तकनीक से लैस करना होगा। साथ ही, राज्यों और केंद्र के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है, क्योंकि साइबर अपराध की सीमाएं किसी एक राज्य या देश तक सीमित नहीं होतीं। डिजिटल साक्षरता अभियान को भी तेज करना होगा। स्कूलों, कॉलेजों, गांवों और शहरों में लोगों को साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक करना जरूरी है। अगर लोग शुरू से ही सतर्क होंगे, तो अपराधियों की राह मुश्किल हो जाएगी।

बैंक और तकनीकी कंपनियों की भूमिका

बैंकों और तकनीकी कंपनियों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। उन्हें अपने सिस्टम को मजबूत और सुरक्षित बनाना होगा। दो-स्तरीय प्रमाणीकरण, बायोमेट्रिक सुरक्षा और रियल-टाइम अलर्ट जैसी सुविधाओं को और प्रभावी बनाना चाहिए। साथ ही, अगर कोई साइबर ठगी होती है, तो पीड़ित की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। कई बार बैंक या कंपनियों की सुस्ती के कारण पीड़ित को समय पर मदद नहीं मिल पाती।

सोने की बढ़ती कीमतों के बीच आभूषण बाजार में मेकिंग चार्ज की अनुचित व्यवस्था ग्राहकों पर भारी पड़ती चुनौती

-फिक्स्ड मेकिंग चार्ज अपनाना पारदर्शिता, भरोसा और स्वर्णाभूषण कारोबार की टिकाऊ राह बन सकता है

भारतीय समाज में सोने का महत्व केवल एक कीमती धातु तक सीमित नहीं है। यह परंपरा, आस्था, सामाजिक प्रतिष्ठा और आर्थिक सुरक्षा—इन सभी का प्रतीक रहा है। शादी-ब्याह, त्योहार, जन्म, नामकरण या किसी भी बड़े सामाजिक अवसर पर स्वर्णाभूषणों की भूमिका सदियों से अहम रही है। सोना यहाँ केवल पहनने की चीज़ नहीं, बल्कि पीढ़ियों तक सँजोकर रखी जाने वाली संपत्ति भी माना जाता है। लेकिन हाल के वर्षों में सोने की कीमतों में आई बेतहाशा तेजी ने आम लोगों के लिए गहने खरीदना बेहद कठिन बना दिया है। स्थिति यह है कि मध्यम वर्ग के एक बड़े हिस्से के लिए अब सोने के आभूषण खरीदना सपना बनता जा रहा है। यही वजह है कि देश के कई हिस्सों में समाजों ने सामूहिक निर्णय लेकर विवाह जैसे अवसरों पर सोने के गहनों पर या तो पाबंदी लगाई है या फिर उनकी मात्रा को प्रतीकात्मक स्तर तक सीमित कर दिया है। यह बदलाव केवल सोने की महँगाई की वजह से नहीं आया, बल्कि इसके साथ जुड़ा एक और कारण भी है—मेकिंग चार्ज की मौजूदा और अनुचित निर्धारण पद्धति।

आभूषण की कीमत कैसे तय होती है

स्वर्णाभूषणों की अंतिम कीमत मुख्य रूप से दो हिस्सों से मिलकर बनती है। पहला, गहने में इस्तेमाल हुए सोने की कीमत और दूसरा, उस गहने को बनाने में आया खर्च, जिसे आमतौर पर मेकिंग चार्ज कहा जाता है। सोने की कीमत तो अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में तय होती है, जिस पर ग्राहक और विक्रेता दोनों का कोई नियंत्रण नहीं होता। लेकिन मेकिंग चार्ज वह हिस्सा है, जहाँ पारदर्शिता और तर्कसंगत सोच की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। परंपरागत रूप से भारत के आभूषण बाजार में मेकिंग चार्ज को गहने में लगे सोने की कीमत के प्रतिशत के रूप में तय किया जाता है। यानी जैसे-जैसे सोने का भाव बढ़ता है, वैसे-वैसे मेकिंग चार्ज भी अपने-आप बढ़ जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी गहने पर 10% मेकिंग चार्ज लगता है और सोने की कीमत बढ़ जाती है, तो मेकिंग चार्ज भी बिना किसी अतिरिक्त मेहनत या लागत के बढ़ जाता है।

बढ़ती कीमतों का दोहरा बोझ

पिछले कुछ वर्षों में सोने के दाम रिकॉर्ड स्तर तक पहुँच चुके हैं। ऐसे में ग्राहकों पर दोहरा बोझ पड़ रहा है—एक तो महँगा सोना और दूसरा, उसी महंगे सोने पर तय किया गया ऊँचा मेकिंग चार्ज। नतीजतन, आभूषणों की कीमत वास्तविक लागत से कहीं अधिक हो जाती है। यहाँ सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि क्या मेकिंग चार्ज को सोने की कीमत से जोड़ना तर्कसंगत है? यदि सोने का दाम बढ़ने से कारीगर की मेहनत बढ़ नहीं रही, डिज़ाइन में कोई अतिरिक्त जटिलता नहीं आ रही, तो फिर ग्राहक से अधिक मेकिंग चार्ज क्यों वसूला जाए?

मेकिंग चार्ज के घटक और उनकी वास्तविकता

मेकिंग चार्ज के भीतर कई घटक शामिल होते हैं। इसमें कारीगर की मजदूरी, डिज़ाइन और निर्माण से जुड़े अन्य खर्च, दुकान का खर्च, और उत्पादन प्रक्रिया में होने वाली सोने की छीजत यानी बर्बादी शामिल होती है। इन सभी में से अधिकतर खर्च निश्चित होते हैं। कारीगर की मेहनताना, मशीनों का खर्च, बिजली, किराया—ये सब सोने की कीमत बढ़ने या घटने से प्रभावित नहीं होते। यदि कोई हार 20 ग्राम सोने से बनाया जा रहा है, तो उसे गढ़ने में लगने वाली मेहनत तब भी उतनी ही होगी जब सोने का भाव 40 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम था और तब भी उतनी ही होगी जब भाव 70 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम हो जाए। ऐसे में उत्पादन की इस मेहनत को सोने की कीमत के प्रतिशत के रूप में वसूलना अपने-आप में सवालों के घेरे में आ जाता है।

छीजत का विवादित मुद्दा

मेकिंग चार्ज से जुड़ा सबसे विवादित पहलू सोने की छीजत है। आभूषण बनाने की प्रक्रिया में कुछ न कुछ सोना जरूर नष्ट होता है—यह बात स्वीकार्य है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब इस छीजत की भरपाई भी ग्राहक से बिक्री के समय के बाजार भाव पर की जाती है। सोचने वाली बात यह है कि जो सोना ग्राहक को दिया ही नहीं गया, जो भौतिक रूप से गहने का हिस्सा है ही नहीं, उसके लिए ग्राहक को वर्तमान बाजार मूल्य क्यों चुकाना चाहिए? यह तर्क पूरी तरह एकतरफा और असंगत प्रतीत होता है। छीजत तो उत्पादन के समय होती है, इसलिए उसका मूल्य भी उसी समय के सोने के भाव के अनुसार तय होना चाहिए। उसे बाकी निर्माण खर्चों में जोड़कर एक निश्चित मेकिंग चार्ज तय किया जाना चाहिए, न कि बिक्री के समय की ऊँची कीमतों से जोड़कर।

ग्राहक क्यों भुगत रहा है असमानता

वर्तमान व्यवस्था में सारा जोखिम ग्राहक के सिर मढ़ दिया गया है। सोने की कीमत बढ़े तो ग्राहक ज्यादा भुगतान करता है, कीमत घटे तब भी उसे पहले की तुलना में कोई खास राहत नहीं मिलती, क्योंकि मेकिंग चार्ज फिर भी प्रतिशत के हिसाब से तय रहता है। इस स्थिति में ग्राहक हमेशा घाटे में और विक्रेता हमेशा फायदे में दिखाई देता है। यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि अधिकतर ग्राहक मेकिंग चार्ज की गणना को ठीक से समझ नहीं पाते। सरल शब्दों में बिल दिया जाता है, लेकिन उसके पीछे की गणित और तर्क आम खरीदार की पकड़ से बाहर होती है। पारदर्शिता की इस कमी का सीधा नुकसान ग्राहकों को उठाना पड़ता है।

फिक्स्ड मेकिंग चार्ज: एक टिकाऊ समाधान

आभूषण बाजार में लंबे समय से इस बात की जरूरत महसूस की जा रही है कि मेकिंग चार्ज को फिक्स्ड यानी निश्चित किया जाए। फिक्स्ड मेकिंग चार्ज का अर्थ है कि उसे गहने के डिज़ाइन, वजन, जटिलता और कारीगरी के आधार पर पहले से तय कर दिया जाए, न कि सोने के बाजार भाव के उतार-चढ़ाव के साथ बदला जाए। इस मॉडल में ग्राहक को पहले ही पता होगा कि किसी खास डिज़ाइन के गहने पर कितनी मजदूरी और निर्माण खर्च लगेगा। इससे न केवल लेन-देन में पारदर्शिता आएगी, बल्कि ग्राहक और विक्रेता दोनों के बीच विश्वास भी बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के फ्लैगशिप प्रोग्राम में सर्वजन हिताय

- 25 फ्लैगशिप योजनाओं के माध्यम से राजस्थान का चहुंमुखी विकास हो रहा सुनिश्चित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को साकार करने के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही है। राज्य के योजनाबद्ध विकास और प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के साथ ही, सरकार ने केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित एवं राज्य निधि से संचालित 25 प्रमुख योजनाओं को राज्य सरकार के फ्लैगशिप प्रोग्राम में शामिल किया है। इस फ्लैगशिप प्रोग्राम में ग्रामीण और शहरी विकास से लेकर कृषि, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं। राज्य की तरक्की का ताना-बाना इन्हीं प्रमुख योजनाओं के इर्द-गिर्द बुना जा रहा है और इससे सर्वजन हिताय - सर्वजन सुखाय की भावना साकार हो रही है।

राज्य की आधी आबादी का हो रहा सर्वांगीण विकास —

राज्य सरकार ने प्रदेश की आधी आबादी महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए अपने फ्लैगशिप प्रोग्राम में कई योजनाओं को शामिल किया है। लाड़ो प्रोत्साहन योजना सशक्तीकरण की दिशा में राज्य सरकार का एक बड़ा कदम है। योजना में गरीब परिवारों की बालिकाओं को जन्म से लेकर शिक्षा हासिल करने तक विभिन्न चरणों में डेढ़ लाख रुपये की सहायता दी जाती है। इसी प्रकार महिलाओं को विभिन्न प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से नमो ड्रोन दीदी, सोलर दीदी, लखपति दीदी, बैंक सखी, कृषि सखी एवं पशु सखी बनाने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है।

वंचित वर्ग के कल्याण को समर्पित राज्य सरकार —

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करने के लिए राज्य सरकार ने फ्लैगशिप योजनाओं के माध्यम से वंचित वर्ग का कल्याण सुनिश्चित किया है। मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के तहत राज्य के शहरी क्षेत्रों में जरूरतमंद एवं असहाय परिवार के असंगठित श्रमिकों के

साथ भवन निर्माण श्रमिक, हस्तशिल्प श्रमिक, गिग वर्कर, ट्रांसपोर्ट वर्कर, केयर वर्कर, सफाई श्रमिक, घरेलू श्रमिक आदि को विशेष अल्पावधि ऋण उपलब्ध करवाकर आर्थिक संबल दिया जा रहा है। इसके साथ ही पात्र परिवारों को खाद्य सुरक्षा से जोड़ने के अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा पोर्टल को पुनः शुरू करते हुए अपात्र लाभार्थियों को सूची से हटाने और नए पात्र लोगों को जोड़ने का व्यापक कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग के परिवारों को रियायती आवास उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं का हो रहा विस्तार, ऊर्जा क्षेत्र में भी ठोस कार्य —

केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन का उद्देश्य देश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और चिकित्सा ढांचे का सुदृढ़ीकरण करना है। इस अभियान को फ्लैगशिप योजना घोषित करते हुए राज्य सरकार प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर रही है। नये स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण तथा क्रिटिकल केयर अस्पताल एवं प्रयोगशालाओं की स्थापना की जा रही है। वहीं ऊर्जा के क्षेत्र में भी राज्य में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। पीएम-कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी में प्रदेश में धरातल पर तेजी से काम हो रहा है। कम्पोनेंट ए के अन्तर्गत 2 मेगावाट क्षमता तक के सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना कर उन्हें ग्रिड से जोड़ा जा रहा है, वहीं, कम्पोनेंट बी में 7.5 एचपी क्षमता तक के स्वतंत्र सौर कृषि पंपों की स्थापना की जा रही है। कम्पोनेंट सी के तहत ग्रिड से जुड़े 7.5 एचपी क्षमता तक के मौजूदा कृषि पंपों का सौर ऊर्जा से संचालन किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रदेश के हर उपभोक्ता को निर्बाध विद्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के अंतर्गत विद्त वितरण ढांचे को सुदृढ़ करने पर कार्य किया जा रहा है।

पर्यावरण एवं जल संरक्षण के लिए विशेष अभियान —

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य सरकार ने प्रदेश में मिशन हरियालो राजस्थान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत राज्य में पांच साल में 50 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। इसके साथ ही वर्षाजल सहेजने की परम्परा को पुनर्जीवित करने के लिए शुरू किया गया "कर्मभूमि से मातृभूमि" अभियान प्रदेश में भूजल स्तर की गिरावट को रोकने में महती भूमिका निभा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत राज्य सरकार भामाशाहों और प्रवासी राजस्थानियों को साथ लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में रिचार्ज शाफ्ट संरचनाओं का निर्माण करवा रही है। वहीं मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के तहत पंचायती राज विभाग द्वारा प्रदेश के 4 हजार 700 से अधिक गांवों में वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का निर्माण किया जा रहा है। अभियान के तहत एक लाख 10 हजार कार्य करवाने का लक्ष्य है।

जयपुर में सुरक्षा व यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्ती

-रात्रि गश्त और नाकेबंदी में 447 वाहन जांचे, 119 पर कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर शहर में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने, आमजन में सुरक्षा का विश्वास पैदा करने और अपराधियों में भय का माहौल बनाने के लिए जयपुर पुलिस द्वारा लगातार रात्रिकालीन गश्त और नाकाबंदी की जा रही है। पुलिस आयुक्त जयपुर सचिन मित्तल ने बताया कि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के उद्देश्य से यह अभियान नियमित रूप से चलाया जा रहा है। गुरुवार रात्रि को शहर के विभिन्न इलाकों में लगाए गए नाकाबंदी व रात्रि गश्ती अभियान के दौरान पुलिस ने करीब 447 वाहनों की जांच की। जांच के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 119 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। एमवी एक्ट के तहत ओवरस्पीडिंग, ड्रिंक एंड ड्राइव, बिना लाइसेंस वाहन चलाने जैसे मामलों में 90 वाहनों पर कार्रवाई की गई। वहीं, गश्त के दौरान 170 बीएनएसएस और 60 पुलिस एक्ट के तहत 29 वाहन चालकों व मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस आयुक्त ने बताया कि इस तरह की कार्रवाइयों का मकसद न केवल अपराध नियंत्रण है, बल्कि शहर में शांति, सुरक्षा और यातायात नियमों की सख्त पालना सुनिश्चित करना भी है। जयपुर पुलिस आने वाले दिनों में भी रात्रिकालीन गश्त और नाकाबंदी के जरिए संदिग्ध व्यक्तियों और नियम तोड़ने वालों पर कड़ी नजर बनाए रखेगी।

उर्वरकों की कालाबाजारी एवं अवैध भण्डारण के मामले में विभागीय अधिकारी करें सख्त कार्यवाही

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल ने शनिवार को पंत कृषि भवन में सभी जिलों के संयुक्त निदेशक कृषि एवं अतिरिक्त निदेशक कृषि खण्ड के साथ प्रदेश में उर्वरकों की सुव्यवस्थित आपूर्ती एवं आवश्यकता अनुसार उपलब्ध करवाये जाने हेतु वीसी के माध्यम से बैठक का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार व कृषि विभाग द्वारा उर्वरकों की दैनिक उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। कम उपलब्धता और अधिक खपत वाले जिलों व ब्लॉकों को चिन्हित कर प्रदेश भर में प्राथमिकता और पूर्ण पारदर्शिता के साथ उर्वरकों का वितरण करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य में अक्टूबर, नवम्बर महीने की 7 लाख 55 हजार मैं. टन की डिमांड के विरुद्ध अब तक 9 लाख 54 हजार मै. टन यूरिया उपलब्ध करवाया जा चुका है। 18 हजार मै. टन यूरिया अभी परिवहन में है जो कि आगामी दो दिवस में जिलों में सप्लाई करवा दिया जायेगा। वर्तमान में पूरे प्रदेश में 1.88 लाख मै. टन यूरिया स्टॉक में उपलब्ध है। सभी जिलों में मांग से अधिक आपूर्ति की गई हैं। आयुक्त कृषि ने बताया कि विभाग द्वारा राज्य के प्रत्येक उर्वरक विक्रेता के विक्रय परिसर पर उर्वरकों का वितरण व प्रभावी मॉनोट्रिंग किये जाने हेतु विभागीय अधिकारियों, कार्मिकों की ड्यूटी लगाई गई है। किसी विक्रेता के यहां कृषकों की संख्या अधिक होने पर कृषकों को पंक्तिबद्ध किया जाकर उनकी देख-रेख में उर्वरकों का वितरण करवाया जाये। उन्होंने बैठक में सभी जिलाधिकारियों को जिले में एक कंट्रोल रूम स्थापित कर हैल्प लाईन नम्बर शुरू करने के निर्देश दिये।

जिस पर कृषक अपनी उर्वरक संबंधी समस्याएं दर्ज करा सकेंगे और विभागीय अधिकारियों द्वारा उनका शीघ्रता से निस्तारण किया जायेगा। जिला अधिकारी जिला कलक्टर की निगरानी में फिल्ड में आ रही समस्याओं का समाधान करें और यूरिया का वितरण पूर्ण पारदर्शिता के साथ सुव्यवस्थित ढंग से करवायें। सुश्री चिन्मयी गोपाल ने कहा कि बॉर्डर जिलों पर चैक पोस्ट स्थापित कर उर्वरकों के अन्य जिलों में परिगमन को रोका जाये। उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखारी व गैर कृषि कार्यों में डाइवर्जन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही अम्ल में लाई जाये। ब्लॉक लेवल पर जहां पर भी यूरिया की कमी आ रही है विभागीय अधिकारी उस ब्लॉक में तुरन्त सप्लाई करवाकर आपूर्ती करवायें। बैठक में अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल जाट, अतिरिक्त निदेशक कृषि, खण्ड जयपुर ईश्वर लाल यादव, संयुक्त निदेशक कृषि (गुण नियंत्रण) श्रीमती हेमलता, संयुक्त निदेशक कृषि (आदान) महेन्द्र कुमार जैन, कृषि अधिकारी डॉ. भगवान सहाय यादव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

जयपुर में टटलुबाज गैंग का भंडाफोड़, सोशल मीडिया से फंसाकर 50 से ज्यादा लूट की वारदात

-दोगुना मुनाफे का लालच देकर किडनैप, एक महीने में करीब 50 लाख की वसूली

जयपुर। जयपुर पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों को फंसाकर लूट और किडनैपिंग की वारदात को अंजाम देने वाले टटलुबाज गैंग के पांच बदमाशों को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया है। गिरोह के सदस्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों को दोगुने मुनाफे का लालच देकर बुलाते थे और फिर किडनैप कर लूट की वारदात को अंजाम देते थे। गैंग ने वारदात के लिए दो अलग-अलग टीमें बना रखी थीं—एक टीम लोगों से संपर्क करती थी और दूसरी टीम लूट को अंजाम देती थी। पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 5 वाहन, बड़ी संख्या में मोबाइल और सिम कार्ड बरामद किए हैं। डीसीपी (साउथ) राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों में अमित श्योरान (24) निवासी पिलानी, झुंझुनूं; हर्ष यादव (22) निवासी बासनी, जोधपुर; सचिन (20) निवासी हमीरवास, चूरू; कमल चौधरी (23) निवासी खतवाड़ी, फुलेरा और राहुल डोडवालिया (21) निवासी डोडवाडिया का बास, फुलेरा शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो थार जीप, एक स्विफ्ट कार, दो पावर बाइक, 5 मोबाइल फोन, 42 सिम कार्ड, 62 हजार रुपए नकद और करीब 3.50 लाख रुपए के नकली नोट भी जब्त किए हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और गैंग के फरार सदस्यों की तलाश जारी है।

CCTV के जरिए बदमाशों तक पहुंची पुलिस

श्याम नगर, मुहाना, झोटवाड़ा और पत्रकार कॉलोनी थाना क्षेत्रों में टटलुबाज गैंग द्वारा लूट की 5 शिकायतें दर्ज हुई थीं। इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए एडिशनल डीसीपी (साउथ) ललित कुमार शर्मा और एसीपी (मानसरोवर) आदित्य काकड़े की निगरानी में विशेष टीम का गठन किया गया। डीएसटी टीम की सूचना और CCTV फुटेज के आधार पर पहले अमित को पकड़ा गया, जिसके बाद हर्ष और अन्य साथियों को दबिश देकर गिरफ्तार किया गया।

कॉल सेंटर बनाकर रचते थे साजिश

पूछताछ में सामने आया है कि गैंग में कुल 8 से 10 बदमाश शामिल हैं। झोटवाड़ा इलाके में एक मकान को कॉल सेंटर के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। इंस्टाग्राम और टेलीग्राम पर नोटों के बंडल दिखाकर दोगुना मुनाफे का लालच दिया जाता था। नकली करेंसी के बदले एक रुपए पर पांच रुपए देने का झांसा दिया जाता था। कॉल सेंटर से वॉट्सऐप कॉल के जरिए संपर्क करने के बाद शिकार को मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के पास मौजूद दूसरी टीम के पास भेज दिया जाता था। वहां से उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाकर सुनसान इलाके में ले जाया जाता था।

किडनैप कर मारपीट और फिरौती वसूली

सुनसान जगह पर ले जाकर पीड़ितों के साथ मारपीट की जाती थी और उनके पैसे व गहने छीन लिए जाते थे। अगर पीड़ित अमीर नजर आता था तो उसे बंधक बनाकर उसके रिश्तेदारों से ऑनलाइन फिरौती मंगवाई जाती थी। वारदात के बाद बदमाश पीड़ित को सड़क किनारे छोड़कर फरार हो जाते थे।

एक महीने में 50 से ज्यादा वारदात

पुलिस को जांच के दौरान गैंग की एक डायरी मिली है, जिसमें पिछले एक महीने में जयपुर शहर और ग्रामीण इलाकों में 50 से ज्यादा वारदात दर्ज होने के सबूत मिले हैं। इन वारदातों से गिरोह ने करीब 50 लाख रुपए की वसूली की है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि गिरोह कब से सक्रिय था और अब तक कितने लोगों को अपना शिकार बना चुका है।

जिला कलक्टर ने अवैध गैस रीफिलिंग पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में शुक्रवार को "ऑपरेशन प्रवर्तन – सतर्क नागरिक, सुरक्षित शहर" की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में ऑपरेशन प्रवर्तन के अंतर्गत नवम्बर माह में की गई कार्रवाईयों का विवरण प्रस्तुत किया गया, जिसमें कुल 29 कार्रवाइयाँ, 939 गैस सिलेंडरों की जब्ती, तथा 22 प्राथमिकी दर्ज होना शामिल है। जिला कलेक्टर डॉ. सोनी ने तीनों तेल कंपनियों को निर्देशित किया कि गैस सिलेंडर की उपभोक्ता डिलीवरी शत-प्रतिशत ओटीपी आधारित सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना एवं एनएफएसए लाभार्थियों की निगरानी प्रभावी हो सके और किसी भी दुरुपयोग को रोका जा सके। प्रवर्तन निरीक्षकों व अधिकारियों को अपने क्षेत्रों में नियतकालिक औचक निरीक्षण करते हुए अवैध रीफिलिंग के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने तथा डिवीजनवार मासिक रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, सिलेंडर ट्रैकिंग सिस्टम को और मजबूत कर संबंधित एजेंसी के विरुद्ध समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में उपस्थित पुलिस अधिकारियों को आसूचना इनपुट के आधार पर अवैध गैस रीफिलिंग स्थलों को चिह्नित कर उन पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। गैस एजेंसियों से परिवाहित वाहनों पर एजेंसी के नाम सहित अधिकृत ब्रांडिंग अनिवार्य करने को कहा गया, ताकि फर्जी एवं वैध वाहनों की पहचान सरलता से हो सके। सड़क किनारे गैस सिलेंडरों की अनाधिकृत डंपिंग को पूर्णत: प्रतिबंधित किया गया। साथ ही, घनी आबादी में संचालित गैस गोदामों को नियमानुसार परिधीय क्षेत्रों में स्थानांतरित करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) युगांतर शर्मा, जिला रसद अधिकारी (शहर) प्रियव्रत सिंह चारण, आईओसी के उप महाप्रबंधक मनोहर रॉय, हिंदुस्तान पेट्रोलियम के क्षेत्रीय प्रबंधक विशाल सेठ, भारत पेट्रोलियम के राज्य प्रमुख बिमलेंदु मंडल सहित तीनों तेल कंपनियों के विक्रय प्रबंधक, पुलिस कमिश्नरेट के उपायुक्त (पूर्व/पश्चिम/उत्तर/दक्षिण), उपनिदेशक नागरिक सुरक्षा अमित शर्मा तथा शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के सभी प्रवर्तन निरीक्षक/अधिकारी उपस्थित रहे।

81 निकाह, एक मंच; रंगरेज शेखावाटी समाज के सामूहिक विवाह में दिखी एकजुटता और सादगी की मिसाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर का कर्बला मैदान एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना, जहाँ रंगरेज शेखावाटी समाज ने सामूहिक विवाह सम्मेलन के जरिए समाज में नई सोच और एकजुटता का संदेश दिया। इस भव्य आयोजन में एक ही मंच पर 81 जोड़ों का निकाह संपन्न कराया गया।

सादगी और फिजूलखर्ची पर प्रहार

इस आयोजन ने समाज में शादियों में होने वाली फिजूलखर्ची को रोकने और सादगी अपनाने का बड़ा संदेश दिया। हजारों की तादाद में देश और प्रदेश के कोने-कोने से आए समाज के लोगों ने नवविवाहित जोड़ों को दुआओं से नवाजा।

ऐतिहासिक रहा आयोजन

कर्बला मैदान में आयोजित इस समारोह में रंगरेज शेखावाटी समाज की अनोखी एकजुटता देखने को मिली। आयोजकों ने बताया कि इसका उद्देश्य समाज को एक जाजम पर लाना और गरीब व मध्यम वर्ग के परिवारों को राहत देना है। 81 जोड़ों ने अपनी नई जिंदगी की शुरुआत सादगी और बड़ों की दुआओं के साथ की।

चार साल से फरार स्थायी वारंटी रोहित शर्मा गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर (दक्षिण) के पुलिस थाना अशोकनगर ने वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने पिछले चार वर्षों से फरार स्थायी गिरफ्तारी वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) राजर्षि राज, आईपीएस ने बताया कि पुलिस आयुक्त जयपुर के निर्देश पर वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में समस्त थानाधिकारियों को स्थायी वारंटी, धारा 299 सीआरपीसी, पी.ओ.जे. और धारा 173(8) सीआरपीसी में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए थे। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) ललित किशोर शर्मा के निर्देशन एवं सहायक पुलिस आयुक्त बालाराम के निकटतम पर्यवेक्षण में पुलिस थाना अशोकनगर की टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस निरीक्षक मोतीलाल शर्मा, थानाधिकारी अशोकनगर, के नेतृत्व में गठित टीम ने कड़ी मेहनत और सतत निगरानी के बाद फरार आरोपी को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोहित शर्मा पुत्र सोहनलाल शर्मा, जाति ब्राह्मण, उम्र 21 वर्ष, निवासी मकान संख्या 2135, रेडियो मार्केट, अजमेरी गेट, थाना कोतवाली, जयपुर के रूप में हुई है। आरोपी पिछले चार वर्षों से फरार चल रहा था। इस कार्रवाई में शामिल विशेष पुलिस टीम में, मोतीलाल शर्मा, पुलिस निरीक्षक व थानाधिकारी, मनरूप सिंह, हैड कांस्टेबल (1154), अनिल कुमार, कांस्टेबल (8755) शामिल रहे। जयपुर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वांछित अपराधियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त अभियान जारी रहेगा।

दिल्ली की महारैली और एसआईआर अभियान को लेकर PCC की अहम बैठक

-'वोट चोर–गद्दी छोड़' महारैली की तैयारी तेज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। दिल्ली में 14 दिसम्बर, 2025 को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित होने वाली वोट चोर-गद्दी छोड़ महारैली की तैयारियों तथा प्रदेश में चुनाव आयोग द्वारा चलाये जा रहे एसआईआर अभियान की समीक्षा हेतु शनिवार को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर पर सम्पन्न हुई। बैठक में राजस्थान प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, एआईसीसी सचिव एवं राजस्थान सहप्रभारी चिरंजी राव एवं सुश्री पूनम पासवान, एआईसीसी सचिव धीरज गुर्जर सहित प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, अग्रिम संगठनों, विभागों व प्रकाष्ठों के प्रदेशाध्यक्ष शामिल हुये। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने उपस्थित प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों एवं अग्रिम संगठनों, विभागों व प्रकोष्ठों के प्रदेशाध्यक्षों को सम्बोधित करते हुये कहा कि 14 दिसम्बर को दिल्ली में आयोजित होने वाली वोट चोर-गद्दी छोड़ महारैली में राजस्थान की सहभागिता सर्वाधिक होनी चाहिये, इसलिये प्रदेश से 50 हजार से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ता रैली में भाग लेंगे, इस हेतु सभी जिलाध्यक्ष एवं प्रभारी अपने-अपने जिलों में सक्रिय होकर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से सम्पर्क में जुट जायें और आने वाले तीन दिन में जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक बुलाकर तैयारियों में अधिकाधिक संख्या में जिले से भागीदारी हो इस हेतु रणनीति तैयार करें। बैठक में जिले के सभी महत्वूपर्ण कांग्रेसजनों, विधायकों, विधायक प्रत्याशियों, सांसद, सांसद प्रत्याशी, नगर निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों को आवश्यक रूप से स्वयं जिलाध्यक्ष सम्पर्क कर आमंत्रित करें।

डोटासरा ने कहा कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गाँधी ने देशभर में भाजपा द्वारा चुनाव आयोग से मिलकर वोट चोरी की है, इसे आम जनता के सामने उजागर किया है और अब सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दायित्व बनता है कि किसी भी पात्र मतदाता का वोट एसआईआर अभियान में नहीं कटे यह कार्य जिम्मेदारी से निभाना है। भाजपा राजस्थान प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने वाले मतदाताओं के वोट कम कर चुनाव में लाभ

प्राप्त करना चाहती है। इसमें भाजपा को सफल नहीं होने देंगे। कांग्रेस के सभी जिलाध्यक्ष अब इस अभियान की प्रतिदिन समीक्षा करें, पार्टी के बीएलए से उनके बूथों पर हो रहे कार्य की प्रतिदिनि समीक्षा करें और जो परेशानी किसी मतदाता को आ रही है उसे दूर करने हेतु प्रयास करें। प्रदेश कांग्रेस द्वारा राहुल गाँधी एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मंशा के अनुरूप सभी जिलाध्यक्षों को मजबूती प्रदान करने हेतु बीएलए की नियुक्ति का अधिकार प्रदान करते हुय जिलाध्यक्षों को उनके जिले में आने वाले विधानसभा क्षेत्रों हेतु बीएलए-1 बनाया जा रहा है। प्रदेश में चुनाव आयोग द्वारा डिजीटाईजेशन का जो आंकड़ा दिया जा रहा है उसमें जिन मतदाताओं के फार्म अनकलेक्टेड हैं वे भी शामिल हैं, इसलिये बहुत ही सजगता के साथ सभी बूथों पर इन मतदाताओं के फार्म अनकलेक्टेड बताते हुये चुनाव आयोग के बीएलओ ने एबसेंट, शिफ्टेड और डेथ रिमार्क लगाया है, यह देखना होगा। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में 27 लाख से ज्यादा मतदाताओं के फार्म अनकलेक्टेड बताये गये हैं जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि चुनाव आयोग एसआईआर प्रक्रिया के माध्यम से प्रदेश में 25 लाख मतदाताओं के नाम काटने की मंशा रखता है। चालीस से अधिक विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहाँ 25 हजार से 35 हजार तक मतदाताओं के फार्म अनकलेक्टेड दर्शाये जा रहे हैं, इसलिये बहुत ही जिम्मेदारी पूर्वक इन मतदाताओं की समीक्षा और जानकारी कांग्रेस के स्थानीय बीएलए को करनी होगी अन्यथा भाजपा चुनाव आयोग से मिलकर कांग्रेस के मजबूत स्थानों से मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से कटवा देगी। इसे रोकने का दायित्व सभी कांग्रेसजनों पर है। बैठक को राजस्थान प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा ने सम्बोधित करते हुये कहा कि सभी कांग्रेसजनों को अनुशासन के साथ कार्य करना होगा और जो दायित्व मिले उसे पूरी ईमानदारी से निभाना होगा। कांग्रेस पार्टी ने देश की आजादी की लड़ाई लड़ते हुये विश्व की सबसे बड़ी शक्ति अंग्रेजों से भारत को स्वतंत्र करवाया था और अब भाजपा के तानाशाही शासन से देश को मुक्त करवाने हेतु एक बड़ी लड़ाई सभी कांग्रेसजनों को लड़नी है। बैठक को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सम्बोधित करते हुये कहा कि जिलाध्यक्ष का दायित्व बहुत महत्वपूर्ण होता है, वे स्वयं तथा प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और प्रदेश प्रभारी भी जिलाध्यक्ष का दायित्व निभाते हुये आज इस मुकाम् पर पहुँचें, जो जिलाध्यक्ष अपने जिले में कांग्रेस को मजबूत करने के लिये कार्य करेगा, उसकी तरक्की होना तय है। उन्होंने कहा कि आज देश का लोकतंत्र खतरे में है, देश किस दिशा में जा रहा है, यह किसी को नहीं पता, इसलिये लोकतंत्र की रक्षा हेतु सभी कांग्रेसजनों को एकजुट होकर लोकतंत्र बचाने की इस लड़ाई में शामिल होना पड़ेगा। बैठक को एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट ने सम्बोधित करते हुये कहा कि आज की बैठक बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रदेश में एसआईआर अभियान चल रहा है और राहुल गाँधी ने देश के सामने भाजपा किसी प्रकार से वोट चोरी कर सत्ता छीनी जाती है इसे उजागर किया है। सभी कांग्रेसजनों को अपने मतदाताओं के वोट के अधिकार की रक्षा करनी होगी, क्योंकि यदि मतदाताओं के नाम ही वोटर लिस्ट से कट गये तो चुनावों में कुछ हासिल नहीं होगा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बैठक को सम्बोधित करते हुये कहा कि दिल्ली में आयोजित होने वाली वोट चोर-गद्दी छोड़ महारैली की तैयारियों हेतु सभी जिलाध्यक्षों एवं प्रदेश पदाधिकारियों को जुट जाना चाहिये। साथ ही प्रदेश के मतदाताओं के मताधिकार की रक्षा के लिये कमर कसकर अपना योगदान प्रदान करना चाहिये। बैठक को एआईसीसी सचिव व राजस्थान सहप्रभारी चिरंजी राव, सुश्री पूनम पासवान तथा एआईसीसी सचिव धीरज गुर्जर ने भी सम्बोधित किया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

चिनायटा के बीएलओ महीप डागुर को उपखंड अधिकारी ने किया सम्मानित

हनीस खान कुतकपुर

शेरपुर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चिनायटा के बीएलओ महीप डागुर को करौली उपखंड अधिकारी प्रेमराज मीणा द्वारा उनके विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र करौली (83) की भाग संख्या 06 के कार्य में दिखाए गए समर्पण और मेहनत के लिए सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में महीप डागुर की कार्यशैली, जवाबदेही और जनता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की विशेष प्रशंसा की गई। बीएलओ महीप डागुर ने इस सम्मान का श्रेय उनके

साथ मिलकर जिन वालंटियर्सो ने काम किया उनको दिया। जिनमें मुख्य रूप से चिनायटा के मुस्लिम महासभा के प्रदेश मीडिया प्रभारी व क्षेत्रीय संवाददाता अजीम खान चिनायटा, अमित डागुर पटवारी चिनायटा (वालंटियर्स), प्रदीप कुमार (वालंटियर्स), अजीत डागुर (वालंटियर्स) व धर्मवीर (वालंटियर्स) ने मिलकर एसआईआर के काम में बीएलओ महीप डागुर के साथ सहभागिता निभाई।

नेत्रदान बना अंतिम सेवा-उपहार: 85 वर्षीय केवल चंद जैन ने समाज को दी अमर प्रेरणा

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । जैन कॉलोनी जैन श्वेताम्बर स्थानक वासी समाज के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ व्यापारी केवल चंद जैन का शनिवार को 85 वर्ष की आयु में देवलोक गमन हो गया। सरलता, सेवा और संस्कारों से भरे उनके जीवन ने विदाई के क्षणों में भी समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया—नेत्रदान। दुःख की इस घड़ी में भी उनके पुत्र सुरेश कुमार, नरेश कुमार, कमल, दिलीप, अनिल, सुनील तथा पुत्री मधु ने अपने दिवंगत पिता के नेत्रदान का संकल्प लेकर मानवता की मिसाल पेश की। परिवारजनों ने इसकी सूचना शाइन इंडिया फाउंडेशन के संयोजक हितेश खंडेलवाल को दी। सूचना मिलते ही शाइन इंडिया फाउंडेशन (BBJ चैप्टर)

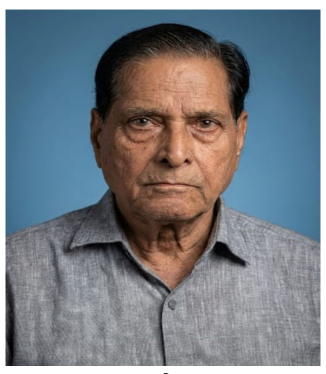

के डॉ. कुलवंत गौड़ को कोटा से बुलाया गया, जिन्होंने बारां पहुँचकर नेत्रदान प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया। भारत विकास परिषद, बारां के अध्यक्ष नरेश खंडेलवाल ने बताया कि समाज में निरंतर चल रहे जागरूकता अभियान का ही परिणाम है कि बारां में नेत्रदान एक मजबूत सामाजिक परंपरा के रूप में स्थापित हो चुका है। यह कार्य न केवल दिवंगत आत्मा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, बल्कि परिवार के समर्पण और मानवीय मूल्यों का भी प्रतीक है। नेत्रदान प्रक्रिया के दौरान परिषद के पराग टोंग्या, विनोद जैन तथा परिवार के सदस्य स्वप्निल, शालीन, संस्कार, संयम, सिद्धार्थ, सोहन, हिना, सलोनी, निराली, गजल, ऋषिका, कनन सहित कई परिजन उपस्थित रहे। बच्चों ने कहा कि दादाजी का यह अंतिम निर्णय उनके लिए जीवनभर की प्रेरणा है और वे भी समाजसेवा के पथ पर सदैव अग्रसर रहेंगे। केवल चंद जैन का यह पुनीत कार्य पूरे समाज को संदेश देता है कि मनुष्य अपने कर्मों से अमर होता है और एक नेत्रदान दो लोगों की दुनिया रोशन कर सकता है।

जिला अस्पताल में 20 बैड का आधुनिक पिडियाट्रिक वार्ड शुरू

-बच्चों के सुरक्षित उपचार के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यूनिट

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। टाऊन स्थित महात्मा गांधी स्मृति राजकीय जिला चिकित्सालय में शनिवार को नवीन पिडियाट्रिक वार्ड का शुभारम्भ किया गया। एमसीएच यूनिट के तृतीय तल पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) द्वारा विकसित इस वार्ड को जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव के निर्देशानुसार शुरू किया गया है। पिडियाट्रिक सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह वार्ड तैयार किया गया था। नये पिडियाट्रिक वार्ड की क्षमता 20 बैड है। पूरे वार्ड को आधुनिक डक्ट सिस्टम के माध्यम से पूर्णतः वातानुकूलित बनाया गया है। यह वार्ड चाइल्ड केयर यूनिट के भीतर स्थित है, जिससे आपात स्थिति में बच्चों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवाई जा सके। पिडियाट्रिक वार्ड के समीप ही 4 बैड की पिडियाट्रिक आईसीयू और 8 बैड की हाई डिपेंडेंसी यूनिट (HDU)

एनएचएम द्वारा निर्मित की गई है। इन दोनों इकाइयों को राज्य स्तर से आवश्यक कार्मिक एवं संसाधन उपलब्ध होते ही शुरू कर दिया जाएगा। इससे गंभीर स्थिति वाले बच्चों के उपचार में और तेजी आएगी। नए वार्ड में बच्चों का उपचार इंफेक्शन कंट्रोल प्रोटोकॉल के तहत किया जाएगा। साफ-सफाई और संक्रमण नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन चादर बदलने के लिए कलर कोड सिस्टम लागू किया गया है। बच्चों की सुविधा के लिए वार्ड में कार्टून प्रिंट वाले विशेष पर्दे लगाए गए हैं, जिससे वातावरण बच्चों के अनुकूल व सहज बन सके। वार्ड में 10 केबिन बनाए गए हैं, जिनमें आवश्यकता अनुसार बच्चों को आइसोलेट किया जा सकेगा। यह व्यवस्था विशेष रूप से संक्रामक रोगों से पीड़ित बच्चों को अलग रखने में सहायक होगी, जिससे अन्य मरीज सुरक्षित रह सकें। नवीन वार्ड शुरू होने से जिले में बाल चिकित्सा सेवाओं की क्षमता और गुणवत्ता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पाली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की शिरकत

-भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के पुत्र को दिया आशीर्वाद

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के पुत्र श्रेयांश के विवाह समारोह में शामिल होने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पाली पहुँचे। बिरला ने राठौड़ के पुत्र को आशीर्वाद दिया और इस मौके पर भाजपा और प्रशासनिक जगत की कई महत्वपूर्ण हस्तियाँ मौजूद रहीं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का आगमन हेलीपैड पर हुआ, जहाँ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, पाली सांसद पीपी चौधरी, पूर्व मंत्री लक्ष्मीनारायण दवे, विधायक शोभा चौहान, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहरसिंह जोधा, और पाली जिला अध्यक्ष सुनील भंडारी,पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा, ओमप्रकाश लोहिया, भाजपा के नेता नरेश ओझा शामिल थे। इन सभी नेताओं ने

उन्हें गुलदस्ता भेंट कर अभिनंदन किया। प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से जिला कलेक्टर एल एन मंत्री और पुलिस अधीक्षक (एस पी) आदर्श सिंधु ने भी पुष्पगुच्छ भेंट कर बिरला का स्वागत किया। हेलीपैड पर संक्षिप्त मुलाकात के दौरान, ओम बिरला ने मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं से भी भेंट की और उनका अभिवादन स्वीकार किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के पुत्र श्रेयांश के विवाह समारोह में बिरला के साथ कई अन्य राजनितिक व प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हुए। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिँह बेडम, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ जैसे वरिष्ठ नेता भी शामिल थे, जिन्होंने श्रेयांश को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। आयोजन स्थल पर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सभी गणमान्य मेहमानों का पारंपरिक तरीके से साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित सभी वीआईपी मेहमानों ने श्रेयांश को उनके नए जीवन की शुरुआत के लिए शुभकामनाएँ और आशीर्वाद दिया।

सम्मान के साथ सह-अस्तित्व ही स्त्री विमर्श का आधार - गूंजन चौहान

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर लोहिया महाविद्यालय परिसर में स्त्री विमर्श आज साहित्य की केन्द्रीय धारा तो है ही इस समय की महती आवश्यकता भी है। सदियों से सम्मान, संवेदना और अधिकार के लिए संघर्षरत आधी आबादी को आज भी सम्मान के साथ सह जीवन व सह-अस्तित्व के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। यह बात स्थानीय राजकीय लोहिया महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित स्त्री विमर्श के विविध आयाम विषय पर आयोजित सेमीनार की अध्यक्षता करते हुए गुजन चौहान ने कही। इस सेमीनार में स्त्री विमर्श के विविध आयाम विषय पर न केवल विचार-विमर्श हुआ अपितु वन्दना सैनी ने स्त्री विमर्श के विविध आयाम के साथ प्रभा खेतान के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। वन्दना शर्मा ने मैत्रेयी पुष्पा और पायल शर्मा ने निर्मला पुतुल के स्त्रीवादी लेखन को रेखांकित करते हुए अपने शोध पत्र में स्त्री विमर्श की विविध समस्याओं तथा विसंगतियों, विडम्बनाओं व विदुपताओं को उजागर करते हुए स्त्री विमर्श के विविध आयामों को

स्रोताओं के सामने प्रस्तुत किया। पत्र-वाचन के पश्चात् समीक्षक के रूप में प्रतिज्ञा जाखड़ व भरत सिंह राठौड़ ने प्रस्तुत पत्रों की समीक्षा करते हुए स्त्री विमर्श के विविध आयामों और अनछुए पहलुओं को स्रोताओं के सामने रखते हुए कहा कि स्त्री विमर्श आज के समय की महती मांग है और यह विमर्श स्त्री के मौलिक अधिकारों के साथ उसके कर्तव्यों के बरक्स समाज में उसके स्थान और महत्व को रेखांकित करता है। इससे पहले महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर मंजु शर्मा ने कहा कि स्त्री विमर्श सिमोन द बाउवार की कृति 'द सैकेण्ड सेक्स की उक्ति स्त्री पैदा नहीं होती वरन् बनाई जाती है, से लेकर प्रभा खेतान की स्त्री उपेक्षिता से होता हुआ मुक्त करो नारी को युग-युग की कारा से' में गुंजता हुआ दिखाई देता है। स्त्री विमर्श एक सांस्कृतिक, सामाजिक आन्दोलन है और यह स्त्री की अस्मिता की वास्तविक तलाश है। इस अवसर पर डॉ. विभा परीक ने अनामिका और निर्मला पुतुल की कविताओं के माध्यम से स्त्री विमर्श के सुक्ष्म पहलुओं को स्रोताओं के सामने रखा। इस अवसर पर डॉ. ममता मीणा, डॉ. पूजा प्रजापत भी उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन श्री कृष्ण ने किया। इस अवसर पर साहिबा, अनिशा, यशवेन्द्र सोनी, प्रीतेश सहित भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन उम्मेद सिंह गोठवाल ने किया।

रिजर्व पुलिस लाइन में डोडा पोस्ट, गान्जा, हेरोइन, स्नेक को काफी मात्रा में जलाकर, जमीन में दबाकर नष्ट किया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आज जय यादव आईपीएस पुलिस अधीक्षक चूरू अध्यक्ष औषधि व्ययन समिति एवं सदस्य सुनिल कुमार आर.पी.एस. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू (मुख्यालय), अपराध सहायक सदस्य, औषधि व्ययन समिति द्वारा स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) 1985 की धारा 52 (क) के अन्तर्गत वित मंत्रालय (राजस्व विभाग), भारत सरकार, नई दिल्ली की अधिसूचना दिनांक 16 जनवरी 2015 (भारत का राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 16. 01.15) के पैरा संख्या 05 के अन्तर्गत प्रदत्त भाक्तियों का प्रयोग करते हुए रिजर्व पुलिस लाईन परिसर चूरू जिला चूरू में पुलिस थाना

दूधवाखारा 05, राजगढ 08, सिद्धमुख 03, सदर चूरू 02, तारानगर 02, सुजानगढ 04, सालासर 01, कोतवाली चूरू 02, भानीपुरा 02, रतनगढ 09, भालेरी 01 एवं सरदारशहर के 03 प्रकरण सहित कुल 42 एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणो में करीब 55 क्विटल 63 किलोग्राम डोडा पोस्त, 07 किलोग्राम गांजा, 0.036 ग्राम हेरोईन एवं 0.037 ग्राम स्मैक का कमेटी द्वारा जलाकर एवं जमीन में दबाकर निस्तारण/नष्टीकरण किया गया।

चूरू पुलिस द्वारा गैंगस्टरों को फॉलो करने वालों के खिलाफ चलाया विशेष अभियान

-जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गैंगस्टर को फॉलो करने वालों के विरुद्ध की गई निरोधात्मक कार्यवाही

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू जय यादव आईपीएस ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर, रेंज बीकानेर द्वारा 29.11.2025 को एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जिला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकगण एवं वृताधिकरीगण के निकट सुपरवीजन में थाना स्तर पर टीम का गठन किया जाकर कार्यवाही की गयी। कार्यवाही के दौरान मुख्य गैंगस्टरों के सोशल मीडिया पर फोलोवर्स की पहचान कर गैंगस्टर्स की पोस्ट को लाईक

और शेयर करने वाले जिला चूरू के 58 फोलोवर्स को चिन्हित कर पुछताछ नोट तैयार किये गये तथा इनको सोशल मीडिया पर गैंगस्टरों की फोटो को शेयर व लाईक न करने के सम्बन्ध में समझाईश की गई तथा इनमें से 23 के विरूद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की गई।

कृषि विभाग की संयुक्त टीम का औचक निरीक्षण

-उर्वरकों की कालाबाजारी एवं अवैध भण्डरण के मामलों में सख्त कार्यवाही जारी

-नवंबर माह में हुई 14 हजार 500 मैट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। कृषि आयुक्तालय, पंत भवन जयपुर के निर्देशानुसार शनिवार को कृषि आयुक्तालय, पंत भवन जयपुर के उप निदेशक कृषि गुण नियंत्रण डॉ. प्रेमचंद वर्मा के नेतृत्व में संयुक्त निरीक्षण कार्यवाही के तहत कृषि विभाग की टीम ने बौंली कस्बे सहित आस-पास के क्षेत्रों में खाद-बीज विक्रेताओं की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण दल में अतिरिक्त निदेशक कृषि (तिलहन) देशराज सिंह, सहायक निदेशक राधारमण शर्मा, उप निदेशक कृषि डॉ. हब्बल सिंह एवं संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) राकेश कुमार अटल शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान बौंली, शिशोलाव, खिरनी और मलारना डूंगर क्षेत्र की दर्जनों खाद-बीज फर्मों की जांच की गई, जिनमें हिन्दस्तान ट्रेडिंग कम्पनी, गौरव ट्रेडिंग कम्पनी, रचना ट्रेडिंग कम्पनी, सत साहिब खाद-बीज भंडार, श्रीनाथ खाद-बीज भंडार, कृष्णा खाद-बीज भंडार एवं प्रजापति खेती-बाड़ी केन्द्र, ऐके एंटरप्राइज (बागड़ोली), खिरनी में रामस्नेही खाद-बीज भंडार, महेश ट्रेडर्स खिरनी, हिमांशु खाद-बीज भंडार एवं अन्य फर्में शामिल थीं। निरीक्षण के दौरान कई दुकानों में रिकॉर्ड, स्टॉक और लाइसेंसिंग से संबंधित गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। शिशोलाव स्थित कृष्णा खाद-बीज भंडार और प्रजापति खेती-बाड़ी केन्द्र निरीक्षण के समय बंद पाए गए। वहीं हिन्दस्तान ट्रेडिंग कम्पनी की खाद बिक्री तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित की गई। निरीक्षण के दौरान गौरव ट्रेडिंग कम्पनी से डीएपी और एस.एस.पी. के नमूने परीक्षण के लिए लिए गए। अनियमितता पाए

जाने पर हिन्दस्तान ट्रेडिंग कम्पनी, रचना ट्रेडिंग कम्पनी, श्रीनाथ ट्रेडिंग कम्पनी तथा कृष्णा खाद-बीज भंडार (शिशोलाव) के अनुज्ञापत्र निलंबित किए गए। अतिरिक्त निदेशक कृषि भरतपुर देशराज सिंह ने बताया कि जिले में नवंबर माह में 14,500 मैट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति की जा चुकी है। जिले में यूरिया सहित अन्य उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है तथा आगामी दिनों में भी मांग के अनुसार निर्बाध आपूर्ति जारी रहेगी। ने भरोसा दिलाया है कि रबी सीजन के दौरान किसी भी किसान को खाद की कमी नहीं होने दी जाएगी। किसान निश्चिंत होकर कृषि कार्य करें। किसानों से अपील, घबराये नहीं, उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध, आवश्यकता अनुसार ही खरीदे :- उन्होंने सभी किसान भाइयों से अपील की है कि वे अपनी फसलों की वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरकों का क्रय करें। अनावश्यक भंडारण या अधिक मात्रा में खरीद से बचने की सलाह दी गई है, ताकि सभी किसानों को समय पर और पर्याप्त मात्रा में खाद मिल सके।

पोक्सो एक्ट में 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पीठासीन अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता ने सिमसिया बिदावतान गांव के राधा किशन पुत्र मोहन राम उम्र 20 साल को पोक्सो एक्ट में 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। राज्य सरकार की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक हेम सिंह शेखावत ने की। अभियुक्त की ओर से अधिवक्ता ललित गौतम ने और परिवादिया की तरफ से एडवोकेट महेश प्रताप सिंह ने पैरवी की। घटना 30 अगस्त 2024 रात्रि की है। अभियुक्त एक घर में घुस गया और एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। मामले में 13 गवाहों के बयान हुए। आज सजा सुनाई गई है।

समाजसेवी मैनुद्दीन खान मोयल को किया सुपुर्द-ए-खाक

-राजस्थान मुस्लिम राजपूत महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अब्बास खान मोयल को पिता शौक

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान मुस्लिम राजपूत महासभा प्रदेशाध्यक्ष अब्बास खान मोयल राणा के पिताजी मैनुद्दीन खान मोयल का स्वर्गवास हो गया उनका जनाजा शनिवार को उनके पेतृक गांव बिशाऊ में सुपुर्द-ए-खाक किया गया । जनाजे में काफी संख्या में सर्व समाज के लोगों ने हिस्सा लिया और बिशाऊ कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया आप समाज सेवी और निहायत ही साफ छवि

के धनी थे। समाज में अच्छी पकड़ थी आप काफी समय से बीमार चल रहे थे।

संभागीय आयुक्त ने उपखण्ड कार्यालय बाप व जिला कलक्टर कार्यालय का किया वार्षिक निरीक्षण

फलौदी (रॉयल पत्रिका)। संभागीय आयुक्त प्रतिभा सिंह शुक्रवार को फलौदी जिले के दौरे पर रहें। इस दौरान संभागीय आयुक्त ने उपखण्ड कार्यालय बाप व जिला कलक्टर कार्यालय फलौदी का वार्षिक निरीक्षण किया। उपखंड कार्यालय के निरीक्षण दौरान उन्होंने कार्यालय के समस्त दस्तावेजों का अवलोकन कर उपखण्ड अधिकारी सत्यनारायण विश्नोई को आवश्यक निर्देश प्रदान किए।साथ ही गत वर्ष के दौरान विभिन्न बिंदुओं की प्रगति के सम्बन्ध में चर्चा की। निरीक्षण दौरान संभागीय आयुक्त ने बकाया राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी प्रकरण आमजन के दैनिक जीवन से सीधे जुड़े होते है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के राजस्व संबंधी प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निस्तारण होना चाहिए। इस दौरान उन्होंने जिला कलक्टर श्वेता से कानून व्यवस्था के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

रविवार को राज्यसभा सांसद के यहां आयोजित विवाह कार्यक्रम में शामिल होंगे मंत्रीगण

पाली (रॉयल पत्रिका)। पाली शहर में रविवार को राज्य के अनेक राज्यपाल, कैबिनेट, एवं विभिन्न राज्य मंत्री सर्किट हाउस, भंसाली गर्ल्स कॉलेज पाली दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रमानुसार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत रविवार को राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के पुत्र के वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा रात्रि विश्राम सर्किट हाउस में करेंगे वे रविवार को रात्रि 9 बजे जैतारण के लिए रवाना होंगे। इसी प्रकार कृषि एवं उद्यानिकी, ग्रामीण विकास, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा एवं जन अभियोजन निराकरण विभाग मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन विभाग राज्य मंत्री गौतम कुमार दक भी राज्यसभा सांसद के यहां आयोजित विवाह कार्यक्रम में भाग लेंगे। श्रीयादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक रविवार को प्रातः 5 बजे जयपुर से प्रस्थान कर प्रातः 10 बजे सुमेरपुर पहुंचकर सामाजिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होंगे वे इसके पश्चात सवेरे 11 बजे सुमेरपुर से रवाना होकर 12 बजे पाली पहुंचेगे जहां वे भंसाली गर्ल्स कॉलेज प्रांगण में आयोजित विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई जारी

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद् बून्दी द्वारा स्वच्छ भारत मिशन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध के तहत शहर में निरंतर कार्यवाही की जा रही है। शुक्रवार को पुरानी परिषद् के पास स्थित सब्जी मंडी में निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस दौरान टीम द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान लगभग 20 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया गया तथा नियमों के उल्लंघन पर ₹1200 का जुर्माना भी वसूला गया। नगर परिषद् की यह कार्रवाई पर्यावरण संरक्षण एवं शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अभियान में स्वास्थ्य निरीक्षक राजकुमार संगेला, स्वास्थ्य निरीक्षक कालू हरित, MIS इंजीनियर शुभम पारिक, फायरमैन महेन्द्र नायक, आशिक अली, जमादार आकाश झावा व महेश कौशिक सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। नगर परिषद् बून्दी नागरिकों से अपील करती है कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें तथा स्वच्छ और स्वस्थ बून्दी के निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करें।

आत्मविश्वास विकसित करने का सर्वोत्तम माध्यम हैं खेल : सुराणा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित लिटिल फ्लॉवर स्कूल में आयोजित वार्षिक खेलकूद समारोह 'इग्नाइट—2025' में शिरकत की तथा विद्यार्थियों से हुए रूबरू होते हुए संवाद किया। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

जिला कलक्टर सुराणा ने विद्यार्थियों को खेलों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक बलिष्ठता प्रदान करते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना, प्रतिस्पर्धा, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करने का सर्वोत्तम माध्यम भी हैं। उन्होंने विद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न खेल गतिविधियों की सराहना की तथा कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना और जीतने का जज्बा विकसित होता है। जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि खेलों में जीत-हार से अधिक महत्वपूर्ण निरंतर भागीदारी और सीखने की भावना है। उन्होंने विद्यार्थियों को खेल और पढ़ाई दोनों में संतुलन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया पर कम समय बिताने और खेलों में अधिक सक्रिय भागीदारी करने की सलाह दी। खिलाड़ी वर्ष—2036 में आयोजित होने वाले ओलंपिक के लिए तैयारी करें। हमारा प्रयास है कि एक पंचायत एक खेल के माध्यम से जिले की खेल प्रतिभाएं एक खेल का चुनाव कर उस खेल का उचित प्रशिक्षण प्राप्त करें और नई उंचाईयों को प्राप्त करें। इस दौरान मैनेजर फादर जिनेश, प्रिंसिपल सिस्टर मैबल ने अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट, खेल प्रतियोगिताओं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी।

ईएफ भरना बहुत आसान है और बहुत आवश्यक भी एसआईआर में सबकी सहभागिता आवश्यक

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय परिसर में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण एसआईआर अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को ईएफ ऑनलाइन भरने तथा गणना प्रपत्र से संबंधित एक प्रभावी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुरेश कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बताया कि एसआईआर की उपयोगिता इस समय बहुत आवश्यक है। विश्वविद्यालय परिवार को अपने घर परिवार एवं आस-पड़ोस के मतदाताओं को मतदाता शुद्धिकरण में भागीदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर मुख्य वक्ता रामविलास जांगिड़ स्वीप समन्वयक जिला परिषद अजमेर ने कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बताते हुए विश्वविद्यालय स्टाफ, एनएसएस सदस्यों एवं विद्यार्थियों को मतदाता सूची शुद्धिकरण, डिजिटल माध्यम से ईएफ फॉर्म भरने की तकनीक तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक बनाना था। इस मौके पर अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने एसआईआर के महत्व को समझाते हुए बताया कि हर एक मतदाता की भागीदारी आवश्यक है। जिला स्वीप टीम ने विद्यार्थियों को एसआईआर अभियान के महत्व, मतदाता सूची में नाम संशोधन एवं अद्यतन की आवश्यकता तथा ईएफ फॉर्म को सही तरीके से ऑनलाइन भरने की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि मतदाता स्वयं भी अपने मोबाइल के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर जाकर 2002 की मतदाता सूची में अपने नाम की खोज कर सकते हैं तथा आवश्यक विवरण अपडेट कर सकते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी प्रभाग के निदेशक प्रोफेसर रघु महरू, प्रोफेसर सुश्री नेहा शर्मा, एनएसएस प्रभारी, विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी, विद्यार्थी सहित 350 से अधिक संभागी उपस्थित रहे। जिला स्वीप सदस्य डॉ. समीक्षा वर्मा, ललिता डीडवानिया, सोन कंवर ने ऑफलाइन ईएफ फॉर्म के लिए आवश्यक जानकारी के बारे में बताया। कार्यक्रम के दौरान आईक्यूएसी निदेशक प्रोफेसर रघु महरू ने कहा कि ऑनलाइन प्रपत्र भरने की प्रक्रिया समय की बचत करती है और मतदाता सूची की शुद्धता को बढ़ाती है। प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने मौके पर ही ईएफ ऑनलाइन भरने का अभ्यास किया और डिजिटल तकनीक को सहजता से अपनाया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय प्रशासन ने निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित स्वीप गतिविधियों को सफल बनाने हेतु पूर्ण सहयोग और प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. समीक्षा वर्मा ने किया। समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

जिला परिषद की साधारण सभा में ग्रामीण विकास के मुद्दों पर हुई व्यापक चर्चा

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक शुक्रवार को जिला परिषद सभागार में जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सड़क, बिजली, पेयजल और ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिला परिषद सदस्यों ने किसानों को बिजली आपूर्ति सुबह 4 बजे के स्थान पर दिन में करने की मांग रखते हुए कहा कि इससे किसानों को होने वाली समस्याओं से राहत मिलेगी। वहीं बुहाना पंचायत समिति क्षेत्र में बूंद-बूंद बिजली कनेक्शन जारी नहीं होने का मुद्दा भी उठाया गया। सदस्यों ने ग्रामीण क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, पेचवर्क करवाने, अतिक्रमण हटाने तथा जल जीवन मिशन के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को पुनः सही करवाने की मांग रखी। साथ ही बिना मानकों के बने स्पीड ब्रेकर हटाने की मांग भी उठाई गई। इस पर जिला प्रमुख ने अधिकारियों को ग्रामीण सड़कों से अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार ने चिड़ावा-सूरजगढ़ मार्ग पर बढ़ते अतिक्रमण और उससे होने वाली दुर्घटना संभावनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने खाद्य सुरक्षा में वितरित होने वाले गेहूं की गुणवत्ता की नियमित मॉनिटरिंग करने की मांग भी रखी। झुंझुनू विधायक राजेंद्र भांबू ने एमएलए लेड के तहत बन रहे नलकूपों में पानी नहीं मिलने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ग्राउंड वाटर विभाग की रिपोर्टों के बावजूद नलकूप सूखे निकल रहे हैं, इसलिए निर्माण कार्य केवल पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होने के बाद ही किया जाए। नवलगढ़ प्रधान दिनेश सुंडा ने नवलगढ़ में मिनी सचिवालय निर्माण में हो रही देरी पर सवाल उठाया। उन्होंने बताया कि नवलगढ़, माडांसी और हवाई पट्टी चौराहे पर सड़क पर जलभराव की समस्या गंभीर बनी हुई है। इस पर अधिकारियों ने सूचित किया कि इन स्थानों का सर्वे कर लिया गया है और जल्द कार्य शुरू होंगे। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत बनी टंकियों से ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध करवाने की मांग पर जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने जलदाय विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि जहां कार्य पूर्ण हो चुका है वहां जलापूर्ति शुरू की जाए। चिड़ावा प्रधान ने पंचायत समिति की दुकानों की जांच तीन माह से लंबित होने का मुद्दा उठाया। बैठक में नरेगा एवं स्वच्छ भारत मिशन से जुड़े प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया। साथ ही जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी ने सरकारी बैठकों को प्लास्टिक मुक्त करने का प्रस्ताव पास किया। बैठक में प्रधानों ने जिला प्रमुख को ज्ञापन सौंपा व कहा कि जिस तरह सरपंचों को प्रशासक लगाया गया है उसी प्रकार प्रधानों व पंचायत समिति सदस्यों को भी प्रशासक लगाया जाए। बैठक में जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग, सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार, झुंझुनू विधायक राजेंद्र भांबू, पिलानी विधायक पीतराम काला, नवलगढ़ प्रधान दिनेश सुंडा, चिड़ावा प्रधान रोहिताश्व धागड़, सूरजगढ़ प्रधान बलवान सिंह, अलसीसर प्रधान घासीराम पूनिया, खेतड़ी प्रधान मनीषा गुर्जर, बुहाना प्रधान हरिकिशन यादव, पिलानी प्रधान बिरमा देवी, सिंघाना प्रधान सरला सैनी, जिला परिषद सीईओ कैलाश चंद्र शर्मा, जिला स्तरीय अधिकारी, ब्लॉक विकास अधिकारी सहित जिला परिषद सदस्य मौजूद रहे ।

"आपकी पूंजी, आपका अधिकार" अभियान के तहत आयोजित हुआ जिला स्तरीय शिविर

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग द्वारा संचालित "आपकी पूंजी, आपका अधिकार" अभियान के अंतर्गत जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कोष (DEAF) तथा अन्य अप्राप्त/अदावा वित्तीय परिसंपत्तियों के निस्तारण हेतु जिला स्तरीय शिविर का आयोजन शुक्रवार को सूचना केंद्र सभागार में किया गया। यह शिविर जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता तथा अग्रणी जिला प्रबंधक के निर्देशन में आयोजित हुआ जिसमें नागरिकों की सुविधा हेतु Unclaimed Accounts/Deposits से संबंधित लंबित एवं अप्राप्त राशि के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष काउंटर स्थापित किए गए। पात्र लाभार्थियों को उनकी अदावा राशि के निस्तारण संबंधी प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। शिविर के माध्यम से बड़ी संख्या में नागरिकों को उनकी लंबित जमा राशि के निस्तारण एवं दावा प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का उद्घाटिन मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने दीप प्रज्वलित कर किया। बैंक ऑफ़ बड़ोदा के क्षेत्रीय प्रमुख दिनेश आर्य ने मुख्य अतिथि सहित सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने सम्बोधित करते हुए कहा की बैंक अधिकारियो को अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेकर ईमानदारी से उचित कार्यवाही करते हुए वास्तविक हकदार को लंबित राशि का वितरण अविलम्ब करे इसी कड़ी में भारतीय रिज़र्व बैंक के अधिकारी राजा राम ने कहा की अभियान के तहत अधिक से अधिक लाभार्थियों को लाभान्वित करने पर बैंको को प्रोत्साहन राशि द्वारा सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में भारतीय रिज़र्व बैंक जयपुर के अधिकारी राजा राम बैरवा एवं सौरव नागपाल, जिला विकास प्रबंधक, नाबार्ड, तथा जिले के विभिन्न वाणिज्यिक बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी के रूप में बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रमुखदिनेश आर्य,भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख हेमंत कुमार शर्मा, राजस्थान ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख सज्जन सिहाग और जिले के विभिन्न वाणिज्यिक बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी तथा अग्रणी जिला कार्यालय एवं आर-सेटी स्टाफ सहित अन्य अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आर-सेंटी निदेशक मनोज कुमार शर्मा ने किया ।

जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कोष पर जिला स्तरीय शिविर

-अनक्लेम्ड वित्तीय संपत्तियों के त्वरित निपटान पर जोर, कलेक्टर ने की जागरूकता बढ़ाने की अपील

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। टाउन—जंक्शन रोड स्थित जीएम रिसॉर्ट में शुक्रवार को वित्तीय सेवाएं विभाग की ओर से जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कोष के तहत जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को अनक्लेम्ड वित्तीय संपत्तियों के बारे में जागरूक करना तथा उन्हें उनकी लंबित या बिना दावे वाली धनराशि को वापस दिलाने में सहायता प्रदान करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव रहे, जबकि आयोजन की अध्यक्षता आरबीआई के एजीएम अखिलेश तिवारी ने की। जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने कहा कि सरकार और आरबीआई का यह अभियान जनता की पूंजी को सही व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि आपकी पूंजी, आपका अधिकार है। कलेक्टर ने अनक्लेम्ड वित्तीय संपत्तियों के निपटान में सुगमता, पारदर्शिता और जागरूकता को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। आरबीआई एजीएम अखिलेश तिवारी ने जमाकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे कई बैंक खाते, बीमा पॉलिसियां और निवेश वर्षों से बिना अपडेट पड़े हैं, जो या तो 10 वर्ष से अधिक समय से निष्क्रिय हैं या खाताधारक के स्थानांतरण के बाद अपग्रेड नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि आरबीआई द्वारा संचालित यह पहल नागरिकों को उनकी अनक्लेम्ड राशि वापस दिलाने में बड़ी सहायता करेगी। शिविर में उपस्थित नागरिकों को अनक्लेम्ड बैंक जमा, बीमा दावे, डिविडेंड, शेयर, म्यूचुअल फंड आदि वापस प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही सभी प्रमुख बैंक, बीमा कंपनियां, पेंशन विभाग, सेबी और आईपीएफ के प्रतिनिधियों ने मिलकर लोगों को केवाईसी अपडेट, दावा प्रपत्र भरने, दस्तावेज सत्यापन, तथा बैंक एवं वित्तीय संस्थानों के साथ समन्वय की पूरी प्रक्रिया समझाई। शिविर के दौरान वित्तीय सेवाएं विभाग मंत्रालय (RBI) द्वारा वित्तीय क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंकों को सम्मानित भी किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और अपनी अनक्लेम्ड वित्तीय संपत्तियों को वापस प्राप्त करने के लिए आवश्यक परामर्श लिया। कार्यक्रम में एजीएम एसबीआई सुनील श्योराण, एजीएम आरएमजीबी मनोज शारदा, एलडीएम बलविंदर सिंह, एसबीआई के चीफ मैनेजर राजकुमार नंदा और नीरव चौधरी, पीएनबी के चीफ मैनेजर सुखविंदर सिंह, आईसीआईसीआई के चीफ मैनेजर अश्विनी गर्ग तथा एफसीसी वीरेंद्र कुमार मौजूद रहे।

जिले में SIR अभियान रफ्तार पर: 91.40% डिजिटाइजेशन पूरा

खैरथल-तिजारा (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) कार्यक्रम 2025-26 के अंतर्गत जिले में कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिला निर्वाचन विभाग द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार सभी चरण समयबद्ध तरीके से पूरे किए जा रहे हैं, ताकि अधिक पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। इसके बाद 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक घर-घर मतदाता गणना की प्रक्रिया जारी है, जिसमें बूथ लेवल अधिकारी हर घर जाकर मतदाताओं के नामों का सत्यापन कर रहे हैं और नए पात्र मतदाताओं का पंजीकरण कर रहे हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आर्तिका शुक्ला ने अपील करते हुए कहा कि सभी पात्र नागरिक अपने गणना प्रपत्र BLO को समय पर उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य जिले में पात्र मतदाताओं को सूची में सम्मिलित करना है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 9 दिसंबर 2025 को किया जाएगा। जिले में डिजिटाइजेशन कार्य भी तेजी से प्रगति पर है। 28 नवंबर को शाम 4 बजे तक जारी प्रगति रिपोर्ट के अनुसार जिले में 91.40% डिजिटाइजेशन कार्य पूरा किया जा चुका है। अब तक 713259 गणना प्रपत्र ऑनलाइन किए जा चुके हैं, जो अभियान की सफलता को दर्शाता है। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। किशनगढ़ बास विधानसभा ने सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए 97.50% प्रगति दर्ज की है और 255241 गणना प्रपत्र ऑनलाइन किए हैं। इसके बाद मुंडावर विधानसभा में 95.98% यानी 231704 फॉर्म ऑनलाइन किए गए हैं। तिजारा विधानसभा में 81.86% प्रगति के साथ 231704 प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नागरिक अपने गणना प्रपत्र चुनाव आयोग की वेबसाइट के माध्यम से भी ऑनलाइन भर सकते हैं। इसके अतिरिक्त BLO और प्रशासनिक टीमें घर-घर जाकर नागरिकों को फॉर्म भरने में सहायता कर रही हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में प्रत्येक मतदाता की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी पात्र नागरिक निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना गणना प्रपत्र जरूर भरें और सहयोग प्रदान करें।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने किया बाल-वाहिनियों का निरीक्षण

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भाटी, तथा शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि की उपस्थिति में पुलिस तथा परिवहन विभाग द्वारा बाल-वाहिनियों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई बाल वाहिनियों में फिटनेस सर्टिफिकेट की समय सीमा समाप्त होना पाया गया, पीछे की ओर सुरक्षा ग्रिल का अभाव पाया गया, प्राथमिक चिकित्सा पेटी, अग्निशामक यंत्र नहीं पाया गया, जीपीएस सिस्टम अक्रियाशील अवस्था में होना, विशेष बच्चों हेतु सुविधा के लिए रैंप/सुलभ प्रवेश का अभाव पाया गया, दस्तावेजों की अनुपलब्धता, बाल-वाहिनियों के वाहन पर चालक तथा सहायक का पहचान विवरण अंकित नहीं होना जैसी आदि कमियां पाई गई। जिनके विरूद्ध परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा मोटरवाहन अधिनियम अनुसार विधिक कार्यवाही की गई। साथ ही सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शिक्षा विभाग तथा परिवहन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए एवं आगामी निरीक्षण तक विभिन्न कमियों को दूर करने हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण परिवहन अधिकारी विजय कुमार मीणा, उपाधीक्षक पुलिस मदन सिंह, एसीबीओ देवेन्द्र डाबी, आरटीओ निरीक्षक दलपत खिंची, यातायात पुलिस निरीक्षक तेजाराम, हुकमसिंह, प्रदीप अमरावत आदि मौजूद रहें।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय का औचक निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मीना लसारिया ने शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय संवल का औचक निरीक्षण कर शिक्षा स्तर एवं परीक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दक्षता आधारित मूल्यांकन एवं राज्य स्तरीय समान परीक्षा की प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। निरीक्षण के समय दक्षता आधारित मूल्यांकन में छात्रों की बैठक व्यवस्था निर्धारित नियमों के अनुरूप पाई गई। साथ ही, राज्य स्तरीय समान परीक्षा में कक्षा 10 के कुछ विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न पत्र पर अनावश्यक निशान लगा रखे थे, जिस पर वीक्षकों को निर्देश दिए बोर्ड नियमानुसार प्रशन प्रत्र पर परीक्षार्थी अपने रोल नंबर के अतिरिक्त कोई भी अन्य अंकन न करें। निरीक्षण के दौरान सहायक निदेशक कालूराम भी साथ रहे। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन करते हुए बताया कि विद्यालय की समग्र व्यवस्थाएँ संतोषजनक और सुव्यवस्थित पाई गईं। विद्यालय के प्रधानाचार्य योगेश कुमार मीना ने निरीक्षण दल को विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, आधारभूत सुविधाओं एवं प्रगति संबंधी जानकारी प्रस्तुत की।

सावों की धूम के बीच बाजार में बिक रहे अवधिपार खाद्य सामग्री के विक्रेता का भंडाफोड़

-खाद्य सुरक्षा टीम ने 500 किलो से अधिक अवधि पार खाद्य सामग्री को जला कर किया नष्ट

पाली (रॉयल पत्रिका)। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण टी शुभमंगला द्वारा चलाए जा रहे वेडिंग सीजन विशेष अभियान के तहत पाली जिले में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मय दल द्वारा बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया गया। पाली जिला कलेक्टर एलएन मंत्री व सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल के निर्देशन में गुरुवार सोजत रोड स्थित माहेश्वरी इंटरनेशनल पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा दबिश देकर फर्म की जांच पड़ताल की गई। जहां पर कई अनियमितता पाई गई। साथ ही होलसेल विक्रेता द्वारा शादियों की सीजन में प्रयुक्त होने वाली अवधिपार खाद्य सामग्री को विक्रय होने से रोका गया एवं मिलावट के संदेह पर तेल व घी के नमूने लेकर खाद्य पदार्थों को सीज किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द शर्मा ने बताया कि सोजत रोड के बगड़ी रोड स्थित महावीर इंटरनेशनल फर्म के मालिक बच्छराज माहेश्वरी द्वारा सावों व शादियों की सीजन में प्रयुक्त होने वाले मसाले,अमचूर, हींग, बुश कलर, पापड़, दिल खिंचिया, चावल, मीठा सोडा, जीरा, इलायची दाना, कश्मीरी मिर्च मसाला, चना मसाला, सांभर मसाला सहित दो साल से अधिक एक्सपायरी डेट के खाद्य सामग्री का विक्रय किया जा रहा था। जिस पर खाद्य सुरक्षा दल द्वारा लगभग 500 से अधिक किलो एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री को चिन्हित जगह पर जला कर नष्ट करवाया गया।

1185 लीटर घी व तेल सीज

पाली/ प्रदेश भर में वेडिंग सीजन के व्यापक अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द शर्मा ने मिलावट के संदेह पर रिश्ता रिफाइंड कॉटन सीड ऑयल, जय चित्तौड़ मूंगफली तेल, कृष्णम घी के चार नमूने लेकर 300 लीटर घी व 885 लीटर 15 के 59 टीन तेल के सीज किए गए।

इन सभी खाद्य पदार्थों के नमूनीकरण के जांच जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला में करने के लिए सेंपल भेजे गए। शर्मा ने बताया कि मिलावट करने वाले व मिलावटी सामग्री को बेचने वाले खाद्य कारोबार कर्ता पर भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण के एक्ट के तहत कठोर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। टीम की कार्यवाही में दल के साथ एलटी खुशाल चन्द, ओमप्रकाश प्रजापत व एचजी नेमाराम और मनोहर सिंह मौजूद रहे।

मजबूत लोकतंत्र के लिए सटीक मतदाता सूची आवश्यक - राणावत

-पाली पंचायत समिति सभागार मे बी.एल.ए.का हुआ विशेष प्रशिक्षण

पाली (रॉयल पत्रिका)। निर्वाचन विभाग की ओर से चल रहे विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत शुक्रवार को निर्वाचन क्षेत्र के पाली पंचायत समिति सभागार मे शहर स्तरीय निर्वाचन क्षेत्र के समस्त बूथ लेवल अभिकर्ताओ को विशेष प्रशिक्षण दिया गया जिसमे राजनैतिक दलो के अभिकर्ताओ ने लिया भाग। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी विमलेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी जयपुर के आदेशानुसार मेपिंग व डिजिटलाईजेशन में पीछे चल रहे क्षेत्र के जन प्रतिनिधियो एवं बूथ लेवल अभिकर्ताओ को पाली पंचायत समिति सभागार मे विधानसमा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से शुक्रवार को भाग संख्या 56 से 125 तक के बी.एल.ए को मध्यान्ह एक से दो बजे तक तथा भाग संख्या 126 से 203 तक बी.एल.ए को दोपहर दो से तीन बजे तक मास्टर ट्रेनर कल्याण सिंह टेवाली, ओमप्रकाश कुमावत एवं जयपाल सिंह ने विशेष प्रशिक्षण देकर अभियान के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। उन्होने बी.एल.ए. को ऑन लाईल ऑफ लाईन गणना प्रपत्र के बारे मे बताते हुए उनकी शंकाओ का समाधान किया।

ताकि हटाई जा सके गलत प्रविष्टियाँ:

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी राणावत ने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए सटीक, पारदर्शी और अद्यतन मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि लोकतंत्र की पूरी बुनियाद इसी पर टिकी होती है। नियमित पुनरीक्षण से दोहरे नाम, मृतकों के नाम और गलत प्रविष्टियाँ हटाई जाती हैं, ताकि एक व्यक्ति केवल एक ही जगह वोट डाल सके और निर्वाचन प्रक्रिया की शुचारू बनी रहे। इसी उद्देश्य से एस.आई.आर के तहत मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण किया जा रहा है।

ये रहे मौजूद :

विशेष प्रशिक्षण मे ललित कुमार दवे, अनिल नामा, रमेश अणकिया, सुरेश व्यास, मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार,राजेश कुमार सैन, सवाई सिंह राजपुरोहित, भवानी सिंह, लोकेश दवे, मनोज कुमार रांगी,पारसराम,सुरेश चौधरी, अनिता पारीक समेत राजनैतिक दलो के बूथ लेवल अभिकर्ता एवं निर्वाचन से जुडे कार्मिक मौजूद रहे।दि मौजूद रहें।

'तेरे इश्क में' धनुष की आंखों में छिपा दर्द बना असली ताकत

मुंबई। फिल्म 'तेरे इश्क में' 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। 'तेरे इश्क में'एक ऐसी लव स्टोरी है, जिसमें जुनून, दर्द, प्यार और गुस्सा सब कुछ एक साथ देखने को मिलता है। फिल्म की शुरुआत एक मजबूत मोड़ से होती है, जिससे कहानी तुरंत पकड़ बना लेती है। जैसे-जैसे फ्लैशबैक खुलता है, ऑडियंस यह जानने के लिए उत्सुक हो जाती है कि आखिर शंकर और मुक्ति के रिश्ते में ऐसा क्या हुआ कि दोनों अलग हो गए। अगर आपको जुनून से भरी मोहब्बत, दिल को छू लेने वाले भाव और कच्चे किरदारों की सच्ची कहानी देखना पसंद है, तो 'तेरे इश्क में' जरूर देखी जा सकती है। फिल्म में कमियां जरूर हैं, लेकिन धनुष का अभिनय इस कहानी को देखने लायक बना देता है। वो हर दृश्य में अपनी आंखों और हावभाव से ऐसा एहसास जगाते हैं, जिसे बोलकर नहीं, महसूस करके समझा जाता है।

लाइफ Style

तनुश्री
अमेरिकी बिजनेसमैन को बनाया हमसफर

बंगाली अभिनेत्री तनुश्री चक्रवर्ती ने आखिरकार अपने बॉयफ्रेंड और अमेरिकी बिजनेसमैन सुजीत बसु के साथ सात फेरे ले लिए हैं। यह शादी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं थी। लास वेगास के खूबसूरत रेड रॉक कैन्यन में दोनों ने शादी की है। इस खास दिन की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस ने साझा की हैं।

एजेंसी ▸▸| मुंबई

लंबे समय से अमेरिका में छुट्टियां बिताती नजर आ रहीं तनुश्री दरअसल अपने जीवन के इस नए अध्याय की तैयारी में थीं, जिसे उन्होंने अब खूबसूरती से दुनिया के सामने साझा किया है। दोनों की मुलाकात करीब दो साल पहले कोलकाता में एक दोस्त के जरिए हुई थी। तनुश्री अपने रिश्ते को लेकर बताती हैं कि अपने वर्कआउट सेशन के तुरंत बाद अनौपचारिक लुक में उनसे मिली थीं, लेकिन बावजूद इसके वह पहली ही मुलाकात में एक जुड़ाव महसूस कर बैठी थीं। दूसरी तरफ सुजीत भी उसी पल दिल हार बैठे थे। पहले दोस्ती और फिर दूरी के चलते वर्चुअल बातचीत- इन सबके बीच उनका रिश्ता धीरे-धीरे प्रेम में बदल गया। जब तनुश्री अमेरिका छुट्टियों पर गईं, तो उनके साथ बिताए गए पलों ने रिश्ते को और मजबूत कर दिया। लंबी ड्राइव्स, लंबी बातचीत और एक-दूसरे की मौजूदगी ने दोनों को यह एहसास करा दिया कि वह अपना जीवन साथ बिताना चाहते हैं। सुजीत ने शादी की सारी तैयारिया खुद संभालीं ताकि तनुश्री के लिए यह दिन हमेशा यादगार रहे। मेकअप आर्टिस्ट से लेकर वायलिनिस्ट तक- हर छोटी-बड़ी चीज को उन्होंने उसी सलीके से चुना, जैसा तनुश्री को पसंद है। दुल्हन का लहंगा भी सुजीत ने ही चुना था, जिसे देखकर तनुश्री भावुक हो उठीं। इतना ही नहीं, उन्होंने दोनों परिवारों के लिए शादी की लाइव स्क्रीनिंग भी करवाई ताकि दूर रहकर भी सभी इस पल का आशीर्वाद दे सकें।

हॉलीवुड मसाला

एशियाई एक्टर्स के लिए हॉलीवुड के दरवाजे खोले

लॉस एंजिल्स। मार्शल आर्ट का जिक्र आते ही हमारे दिमाग में सबसे पहला नाम ब्रूस ली का ही आता है। महज 32 साल की उम्र में ली ने मार्शल आर्ट में ऐसी महारथ और पॉप्युलैरिटी हासिल की जिसकी बराबरी आज तक कोई नहीं कर सका। 1960 के दशक में ली ने 'काटो' की भूमिका से हॉलीवुड में पहचान बनाई। लेकिन, हांगकांग में बनी 'द बिग बॉस' (1971), 'फिस्ट ऑफ फ्यूरी' (1972), 'वे ऑफ द ड्रैगन' (1972) और 'एंटर द ड्रैगन' (1973) ने पूरी दुनिया में उन्हें फेमस बना दिया। इन फिल्मों से उन्होंने अपनी मार्शल आर्ट कला को पूरी दुनिया के सामने पेश किया। ली ने बतौर एक्टर अपनी सफलता से एशियाई एक्टर्स के लिए हॉलीवुड के दरवाजे खोले। जैकी चैन, जेट ली, टोनी जा जैसे एक्टर्स ली को अपनी प्रेरणा मानते हैं। किसी भी व्यक्ति के लिए इतनी कम उम्र में जीवन के किसी भी एक क्षेत्र में इतनी ऊंचाई हासिल कर पाना बेहद कठिन होता है।

डेविड हार्बर ने मिली बॉबी के साथ की बदसलूकी

लॉस एंजिल्स। 'स्ट्रेंजर्स थिंग्स' के नए सीजन की रिलीज से ठीक पहले अभिनेत्री मिली बॉबी ब्राउन और उनके को-स्टार डेविड हार्बर को लेकर एक विवाद ने अचानक सुर्खियां बटोर ली थीं। सोशल मीडिया और विदेशी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि मिली ने हार्बर पर सेट पर बदसलूकी और दबाव बनाने जैसे आरोप लगाए थे। हालांकि, सीरीज की प्रीमियर नाइट पर दोनों को साथ देखा गया, मुस्कुराते हुए फोटो देते हुए। वहीं, अब मिली बॉबी ब्राउन ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है और इस रिश्ते पर खुलकर बात की है। मिली ने विवाद पर बेहद साफ शब्दों में कहा कि उनका रिश्ता हमेशा से मजबूत रहा है। मिली के अनुसार, 'हम पिछले दस साल से यही कर रहे हैं। हम इस शो को दिल से प्यार करते हैं और अपनी दोस्ती को सबसे ऊपर रखते हैं।' उनकी बातों से साफ था कि पर्दे के पीछे कैसी भी चर्चाएं हों, लेकिन उनके और हार्बर के बीच दोस्ती की डोर कमजोर नहीं हुई। दूसरी ओर, शो के निर्माता डफर ब्रदर्स ने प्रीमियर के दौरान आरोपों पर कमेंट करने से इनकार किया, लेकिन साफ कहा कि सेट पर सुरक्षा और सम्मान उनका पहला सिद्धांत है। शो के डायरेक्टर और प्रोड्यूसर शॉन लेवी ने भी कहा कि पूरी टीम एक परिवार की तरह है और वो माहौल को हमेशा सुरक्षित रखने की कोशिश करते हैं।

कूल लुक में कार्तिक हॉट दिखीं अनन्या

मुंबई। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी रोमांटिक फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। शुक्रवार को इस फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज कर दिया गया है, जो कार्तिक और अनन्या के फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का टाइटल ट्रैक शेयर किया और कैप्शन में लिखा, 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' का टाइटल ट्रैक रिलीज हो चुका है।' जो कार्तिक के फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। कार्तिक के फैंस उनके इस गाने पर लाल और फायर इमोजी शेयर कर रहे हैं। कार्तिक ने इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' का टाइल ट्रैक का वीडियो शेयर किया। इस गाने में कार्तिक समंदर किनारे बीच पर बेहद कूल लुक में हसीनाओं के बीच नजर आ रहे हैं। तो वहीं इस गाने में अनन्या भी बेहद हॉट लुक में नजर आ रही हैं।

इश्क के पूरे हुए 28 साल साझा की अनदेखी तस्वीरें

मुंबई। बॉलीवुड के बेहतरीन कलाकार अजय देवगन और काजोल की फिल्म 'इश्क' 28 नवंबर 1997 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को 28 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर अजय देवगन ने काजोल के साथ पुरानी तस्वीरें शेयर की हैं और एक बेहतरीन कैप्शन लिखा है। फैंस को यह पसंद आ रहा है। अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर अपनी जिंदगी के सबसे अच्छे पलों की तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में वह काजोल को गले लगा रहे हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा 'इश्क हुआ'। दूसरी तस्वीर में वह काजोल के साथ दूल्हा-दुल्हन की तरह बैठे हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा 'कैसे हुआ'। तीसरी तस्वीर में वह काजोल और अपने दो बच्चों के साथ बैठे हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा 'अच्छा हुआ।' इसके साथ पोस्ट में उन्होंने लिखा 'जैसे हुआ अच्छा ही हुआ है।

टीवी मसाला

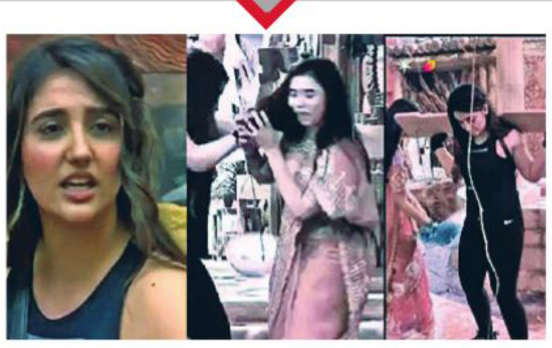

बिग बॉस 19 से बाहर होंगी अशनूर? तान्या के साथ हिंसक होने पर भड़कीं काम्या

नई दिल्ली। रियलिटी शो बिग बॉस 19 अपने आखिरी पड़ाव की ओर बढ़ रहा है और जैसे-जैसे ग्रैंड फिनाले करीब आ रहा है, घर के अंदर विवाद, मतभेद और टकराव भी तेज होते जा रहे हैं। इसी बीच शो की पूर्व कंटेस्टेंट और टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री काम्या पंजाबी ने इस हफ्ते के घटनाक्रम पर खुलकर अपनी राय रखी है। अशनूर कौर और तान्या मित्तल के बीच हुए विवाद को लेकर जहां उन्होंने सख्त प्रतिक्रिया दी, वहीं गौरव खन्ना को शो का पहला फाइनलिस्ट बनने पर बधाई भी दी। फिनाले से पहले हुए 'टिकट टू फिनाले' टास्क में सभी चार दावेदारों- अशनूर कौर, प्रनीत मोरे, फरहाना भट्ट और गौरव खन्ना के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। लेकिन इस टास्क के दौरान एक ऐसा वाकया सामने आया जिसने दर्शकों और एक्स-कंटेस्टेंट्स दोनों को हैरान कर दिया। टास्क के बीच अशनूर कौर ने तान्या मित्तल पर शारीरिक प्रहार कर दिया, जिसे लेकर कई दर्शक सोशल मीडिया पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर अब हर कोई अशनूर की इस हरकत पर अपनी राय दे रहा है। कई सेलेब्स की ओर से भी इस पर कड़ी नाराजगी जाहिर की गई है। इन्हीं में शामिल हैं काम्या पंजाबी भी। उन्होंने लिखा कि पूरी सीजन में संयम और गरिमा के साथ खेलने वाली अशनूर से इस तरह की हरकत की उम्मीद नहीं थी। काम्या का कहना है कि खेल की इस स्टेज पर ऐसी गलती बिल्कुल भी आवश्यक नहीं थी।

भाविन -दिशा ने लिए सात फेरे

नई दिल्ली। सिंगर,एक्टर और म्यूजिशियन भाविन भानुशाली ने दिशा चंद्रेजा के सात सात फेरे ले लिए हैं। भाविन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी शादी की शानदार तस्वीरों को शेयर किया है। भाविन और दिशा को सेलेब्स शादी की शुभकानाएं दे रहे हैं। एक्टर और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी भाविन भानुशाली और दिशा चंद्रेजा की शादी 27 नवंबर को होमटाउन, महाराष्ट्र में हुई। शादी की खास तस्वीरें आज भाविन ने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। भाविन और दिशा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। भाविन ने आज इंस्टाग्राम पर कुछ ही देर पहले अपनी शादी की तस्वीरों को शेयर किया। इन शानदार तस्वीरों में दिशा लाला लहंगे में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। वहीं भाविन व्हाइट स्टाइलिश शेरवानी में काफी हैंडसम लग रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ भाविन ने कैप्शन में लिखा, 'तू मारी ने हूं तारो थाई गयो- 27.11.25।' कई सेलेब्स ने भाविन भानुशाली और दिशा चंद्रेजा को शादी की बधाई दी है। विशाल जेठवा ने लिखा, 'भाविन्न भाई, नमन प्रणाम अभिनन्दन', रश्मि देसाई ने लिखा, 'बधाई हो तमने बन्नेव ने', अविका गौर ने लिखा, 'बधाई हो, नील नितिन मुकेश ने लिखा, 'आपको बधाई हो मेरे प्रिय', हितेन तेजवानी ने लिखा, 'बधाई हो दोस्तों... भगवान आपका भला करे।'

45 करोड़ बजट में 500 टिकट भी नहीं बेच पाई थी ये फिल्म
अधूरी कहानी के साथ हुई रिलीज, कहलाई बॉलीवुड की बिगेस्ट फ्लॉप

नई दिल्ली। बॉलीवुड में हर साल दर्जनों फिल्में बनती हैं। इनमें से कई फिल्मों पर बहुत पैसा खर्च किया जाता है और मेकर्स को उम्मीद होती है कि ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाएंगी। लेकिन, कई बार ऐसा होता नहीं है। कई बड़ी और स्टार स्टडेड फिल्में भी रिलीज के बाद बुरी तरह फेल हो जाती हैं। आज हम आपको एक ऐसी ही फिल्म के बारे में बता रहे हैं, जिसके बजट, कहानी और कास्ट पर प्रोड्यूसर ने पूरा भरोसा किया था। फिर भी ये फिल्म रिलीज होते ही बुरी तरह पिट गई और लोगों को पता भी नहीं चला कि ये कब आई और कब थिएटर से उतर गई।

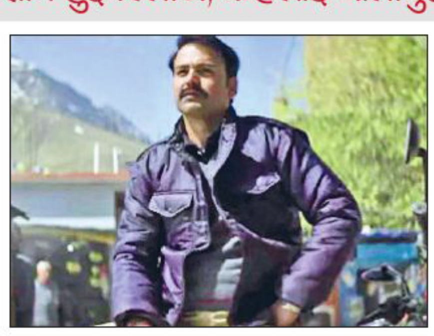

जोरदार उम्मीदें, जीरो कमाई

जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, वो है द लेडी किलर, जो साल 2023 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में इश्कजादे फेम अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर नजर आए थे। करीब 45 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म से मेकर्स को बड़ी उम्मीदें थीं। लेकिन, हैरानी की बात ये है कि फिल्म 1 लाख रुपए की कमाई भी नहीं कर पाई। फिल्म का न प्रमोशन हुआ और न ही किसी तरह का ऐड नजर आया। मेकर्स ने बिना तैयारी के फिल्म को थिएटर में उतार दिया। नतीजा ये हुआ कि दर्शकों को पता ही नहीं चला कि फिल्म रिलीज भी हो गई है।

बिना क्लाइमैक्स की रिलीज

फिल्म फ्लॉप होने के बाद इसके डायरेक्टर ने बताया कि द किलर लेडी को अधूरी हालत में रिलीज कर दिया गया था। फिल्म की स्क्रिप्ट 117 पेज की थी। लेकिन, शूटिंग सिर्फ 87 पेज तक ही हुई थी। यानी फिल्म में क्लाइमैक्स तक पूरा शूट नहीं हुआ था। पहले इसे ओटीटी पर रिलीज करने की प्लानिंग थी। लेकिन, तारीखें बार बार आगे बढ़ने पर इसे जल्दबाजी में थिएटर में रिलीज कर दिया गया। हालत ये रही कि अर्जुन कपूर की इस फिल्म की सिर्फ 500 टिकटें ही बिक पाईं। इसी वजह से इसे अब तक की सबसे खराब ओपनिंग वाली बॉलीवुड फिल्म माना गया।

दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का टीजर जारी अलग अंदाज में दिखे संजय और महिमा

मुंबई। संजय मिश्रा और महिमा चौधरी की अपकमिंग फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का टीजर रिलीज हो गया है। इस फिल्म को लेकर पहले से काफी चर्चा थी। ऐसा इसलिए क्योंकि संजय मिश्रा की दूसरी शादी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। टीजर में संजय मिश्रा हल्के-फुल्के अंदाज में कॉमेडी करते हुए नजर आए हैं। वहीं, महिमा चौधरी ग्लैमरस लुक में नजर आई हैं।टीजर में सबसे पहले संजय मिश्रा नजर आते हैं। वह भगवान हनुमान से प्रार्थना करते हैं कि अगर उनकी कुंडली में दूसरी शादी लिखी है, तो कोई सुंदर, सुशील और कलावती महिला से शादी हो। वह हनुमान से कहते हैं कि प्रभु थोड़ा ध्यान रखना वर्ना ये लोग मुझे कहीं भी फंसा देंगे। इसके बाद वह महिमा चौधरी से टकरा जाते हैं। अगले सीन में संजय मिश्रा का बेटा उनके पास आता है और कहता है कि मां मिल गई। इस पर संजय मिश्रा इतराते हैं। मेकर्स ने इस टीजर को सोशल मीडिया पर रिलीज किया है। इसके साथ इसकी रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। बताया जाता है कि यह फिल्म 19 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' में संजय मिश्रा और महिमा चौधरी के अलावा व्योम यादव, पलक लालवानी, प्रवीण सिंह सिसोदिया और श्रीकांत वर्मा ने अभिनय किया है। इसका निर्देशन सिद्धांत राज सिंह ने किया है। इसके निर्माता एकांश बच्चन और हर्ष बच्चन हैं।

आज के दौर में भी जनरेनशन-जेड का बना हुआ है फेवरेट
धर्मेंद्र पर फिल्माया गया था रफी का बेस्ट एवर रोमांटिक सॉन्ग

वेटरन एक्टर धर्मेंद्र अब हमारे बीच नहीं रहे। लेकिन, उनकी मूवीज और गानों के बारे में जिक्र हमेशा किया जाएगा। इस आधार पर आज हम आपको अभिनेता के एक ऐसे शानदार रोमांटिक सॉन्ग के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे गायक मोहम्मद रफी ने गाया था। गायक मोहम्मद रफी और अभिनेता धर्मेंद्र की जोड़ी काफी जमती थी।

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

सिनेमा जगत में एक दौर ऐसा भी रहा था, जब रफी साहब सही मायनों में धर्मेंद्र की आवाज बन गए थे। एक्टर के ज्यादातर कल्ट गीतों को सुरों के सरताज मोहम्मद रफी ने अपनी रूहानी आवाज दी थी। इस आधार पर आज आपको इन दोनों की जुगलबंदी वाले एक ऐसे गीत के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आज के दौर में जनरेनशन-जेड का फेवरेट बना हुआ है। रोमांटिक सॉन्ग के मामले में सिंगर मोहम्मद रफी के इस गाने का कोई मुकाबला नहीं है। आलम ये है कि रिलीज के 55 साल बाद भी ये अमर है।

55 साल बाद भी हिट ये गीत

पुराने दौर के आइकॉनिक रोमांटिक सॉन्ग के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें अभिनेता धर्मेंद्र के कई सारे गीत शामिल होंगे, जिनमें से एक गीत साल 1970 में आई फिल्म जीवन मृत्यु का भी रहा। धर्मेंद्र और राखी गुलजार स्टारर इस मूवी के उस गीत को गायक मोहम्मद रफी ने अपनी मधुर आवाज में गाया था। गाने के बोल सुनकर आज भी आपके दिल को सुकून पहुंचेगा। गौर किया जाए उस गीत की तरफ तो उसका नाम- झिलमिल सितारों का आंगन होगाहै। धर्मेंद्र के इस कल्ट सॉन्ग को रफी साहब और लता मंगेशकर ने मिलकर गाया था, जबकि इसके संगीतकार लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल की जोड़ी थी। जीवन मृत्यु मूवी के इस गाने के गीतकार कोई और नहीं, बल्कि दिग्गज लेखक आनंद बख्शी थे, उनकी कलम से जी झिलमिल सितारों का आंगन होगा के ये खूबसूरत बोल निकले थे। इस गाने को आज भी बॉलीवुड से सबसे बेहतरीन रोमांटिक सॉन्ग में से एक माना जाता है।

यादगार गीत

24 नवंबर 2025 को धर्मेंद्र का देहांत हो गया। अब एक्टर की यादें उनकी मूवीज और शानदार गीतों के जरिए ताजा रहेंगी। झिलमिल सितारों का आंगन होगा धर्मेंद्र के यादगार गीतों में शुमार है, जिसे सुनने के बाद आपको हिंदी सिनेमा के ही-मैन की याद जरूर आ जाएगी।

फीफा अंडर-17 विश्व चैंपियन, पुर्तगाल ने जीता खिताब

दोहा। पुर्तगाल ने फीफा अंडर-17 विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रिया को 1-0 से हराकर इस आयु वर्ग में अपना पहला वैश्विक खिताब जीता। बेनफिका के फॉरवर्ड अनीसियो कैब्राल ने 48 देशों के टूर्नामेंट में गुरुवार को खेले गए खिताबी मुकाबले के 32वें मिनट में मैच का इकलौता गोल किया। इससे पहले इटली ने तीसरे स्थान के मैच में ब्राजील को शूटआउट में 4-2 से हराया, जिससे यूरोप की टीमों ने शीर्ष तीन स्थानों पर अपना दबदबा बनाया। मुकाबला बराबरी पर छूटने के बाद गोलकीपर एलेसेंड्रो लोंगोनी ने दो पेनल्टी बचा कर इटली की जीत पक्की की। फीफा अंडर-17 विश्व कप का यह 20वां सत्र है। फीफा इस टूर्नामेंट को अब हर दो साल के बजाय सालाना आयोजित करता है।

रोमा ने मिड्टजिलैंड को दी शिकस्त, दर्ज की पहली घरेलू जीत

नॉटिंघमशायर। रोमा ने मिड्टजिलैंड को 2-1 से शिकस्त देकर पहली घरेलू जीत दर्ज की। इस टीम के लिए नील एल ऐनाउई और स्टीफन ऐल शरावी मुकाबले के हीरो रहे, जिन्होंने एक-एक गोल किए। नील एल ऐनाउई ने मुकाबले के 7वें मिनट खाता खोला। इसके बाद स्टीफन ऐल शरावी ने 83वें मिनट गोल दागकर रोमा को 2-0 से आगे कर दिया। मुकाबले के 86वें मिनट मिड्टजिलैंड ने पौलिन्हो के गोल की बदौलत अपना खाता खोला, लेकिन यह टीम मुकाबला गंवा बैठी। इस बीच, डोनियल मैलेन के शानदार प्रदर्शन की बदौलत एस्टन विला ने यंग बॉयज को 2-1 से शिकस्त देकर पांच लीग फेज मैचों में अपनी चौथी जीत दर्ज की।

फॉरेस्ट ने माल्मो को 3-0 से रौंदा, हासिल किए तीन प्वाइंट्स

नॉटिंघमशायर। नॉटिंघम फॉरेस्ट ने माल्मो एफएफ को 3-0 से मात देकर यूरोपा लीग में तीन प्वाइंट्स हासिल कर लिए हैं। मुकाबले के 27वें मिनट कप्तान रायन येट्स ने गोल दागकर नॉटिंघम फॉरेस्ट का खाता खोला। इसी के साथ टीम ने मुकाबले में 1-0 से लीड हासिल कर ली। मुकाबले के 44वें मिनट अर्नांड कलिमुएंडो ने गोल करते हुए फॉरेस्ट की लीड को दोगुना कर दिया। माल्मो एफएफ की टीम 0-2 से पिछड़ गई थी। टीम लगातार गोल करने की कोशिश करती रही, लेकिन इसी बीच 59वें मिनट में निकोला मिलेंकोविक ने गोल दागकर फॉरेस्ट को 3-0 से आगे कर दिया। इस जीत के साथ नॉटिंघम फॉरेस्ट ने 8 प्वाइंट्स हासिल कर लिए हैं। फॉरेस्ट टेबल में 16वें नंबर पर आ गई है। दूसरी ओर, माल्मो के पास 1 अंक है। यह टीम 34वें पायदान पर मौजूद है।

खबर संक्षेप

उज्बेकिस्तान से मैत्री मैच खेलेगी भारतीय महिला टीम

नई दिल्ली। भारत की अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम 29 नवंबर और 2 दिसंबर को तमिलनाडु के महाबलीपुरम स्थित एफसी मद्रास अकादमी में उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलेगी। फीफा महिला अंतरराष्ट्रीय मैच विंडो के दौरान आयोजित किए जा रहे दोनों मैच बिना दर्शकों के खेले जाएंगे और भारतीय समयानुसार शाम 5 बजे से शुरू होंगे। मुख्य कोच जोकिम अलेक्जेंडरसन ने इन दो मैचों के लिए 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। ये दोनों मैच 2026 एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप की तैयारी का हिस्सा है। भारतीय टीम को एशियाई कप के ग्रुप सी में जापान, ऑस्ट्रेलिया और चीनी ताइपे के साथ रखा गया है। उज्बेकिस्तान भी इसी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर चुका है और उसे ग्रुप बी में डीपीआर कोरिया, कोरिया गणराज्य और जॉर्डन के साथ रखा गया है।

महिला मुक्केबाजी टीम के मुख्य कोच बने नीवा

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी के पूर्व हाई परफार्मेंस निदेशक (एचपीडी) सैंटियागो नीवा महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में राष्ट्रीय टीम से फिर से जुड़ गए हैं। अर्जेंटीना में जन्मे स्वीडन के इस पूर्व मुक्केबाज ने 2017 से 2022 तक भारत की पुरुष टीम के साथ बड़े स्तर पर काम किया था। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की, जिनमें तोक्यो ओलंपिक में भारत की अब तक की सर्वोच्च भागीदारी और 2019 पुरुष विश्व चैंपियनशिप में दो ऐतिहासिक पदक शामिल हैं। नीवा ने कहा, 'भारत वापस आकर बेहद उत्साहित हूं। मेरे पिछले कार्यकाल में यहां पांच साल शानदार रहे। मैं इस अगले अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

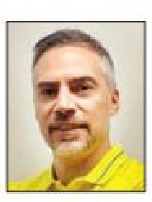

तीन अंडर 69 के स्कोर से 10वें स्थान पर अदिति

मलागा। अदिति अशोक एंडालूसिया कोस्टा डेल सेल ओपन डि एस्पाना गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर में तीन अंडर 69 के स्कोर से संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर हैं। अदिति ने तीन बर्डी और एक ईगल किया लेकिन दो बोगी भी कर गईं, जिससे उनका स्कोर तीन अंडर रहा। लेडीज यूरोपीय टूर पर कई बार की विजेता अदिति शीर्ष पर चल रही डेनमार्क की समिला टार्निंग सोंडरबी और थाईलैंड की त्रिचाट चेंगलाब से तीन शॉट पीछे हैं, जो छह अंडर के स्कोर से संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। भारतीय खिलाड़ियों के लिए पहला दिन मिश्रित सफलता वाला रहा। अवनि प्रशांत 71 के स्कोर से संयुक्त रूप से 27वें जबकि हिताषी बख्शी (73) संयुक्त रूप से 45वें पायदान पर हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : म्हात्रे ने जड़ा टी20 करियर का पहला शतक

आयुष ने 49 गेंद में ठोका शतक, 16 छक्के-चौके लगाकर किया कमाल, मुंबई को दिलाई जीत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने टी20 करियर का पहला शतक लगाते हुए मुंबई को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में लगातार दूसरी जीत दिला दी। विदर्भ से ग्रुप एक के मुकाबले में मिले 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए म्हात्रे ने 110 रन की नाबाद पारी खेली।

इससे मुंबई ने 13 गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। म्हात्रे ने 53 गेंद खेली और आठ छक्के व इतने ही चौके लगाए। इससे पहले विदर्भ ने अथर्व ताइडे के 64 और अमन मोखाडे के 61 रन के दम पर नौ विकेट पर 192 रन का मजबूत स्कोर बनाया था। मुंबई की ओर से शिवम दुबे और सैराज पाटिल ने तीन-तीन विकेट लिए।

आयुष ने 20 गेंद में लगाई फिफ्टी

म्हात्रे ने 20 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने दुबे के साथ चौथे विकेट के लिए 85 रन की अटूट साझेदारी की। म्हात्रे ने छक्का लगाकर टी20 करियर का पहला शतक 49 गेंद में पूरा किया। वहीं दुबे ने 19 गेंद में तीन छक्के व इतने ही चौके लगाते हुए 39 रन की तूफानी पारी खेली। इससे मुंबई ने बड़े आराम से जीत हासिल की. विदर्भ के पास उमेश यादव, दर्शन नालकंडे, यश ठाकुर और हर्ष दुबे जैसे बॉलर थे लेकिन कोई भी म्हात्रे को रोक नहीं पाया।

हिम्मत सिंह ने जड़ा छक्का, टीम को दिलाई जीत

अहमदाबाद। यश धुल की 46 गेंद में 71 रन की आक्रामक अर्धशतकीय पारी से दिल्ली ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 के ग्रुप डी के रोमांचक मुकाबले में शुक्रवार को तमिलनाडु को छह विकेट से हराया। तमिलनाडु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 198 रन बनाए। हिम्मत सिंह ने आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर दिल्ली को जीत दिला दी। दिल्ली ने चार विकेट पर 203 रन बनाए। धुल ने अपनी पारी में चार चौके और इतने ही छक्के जड़ने के अलावा तीन अर्धशतकीय साझेदारी कर मैच पर दिल्ली की पकड़ बनाए रखी। उन्होंने प्रियांश आर्य (15 गेंद में 35 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 52, कप्तान नीतिश राणा (26 गेंद में 34 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी करने के बाद आयुष बडोनी (23 गेंद में 41 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी की।

मध्यप्रदेश के खिलाफ वैभव के बल्ले से नहीं निकले रन

मध्य प्रदेश और बिहार की टीम के बीच मुकाबला हुआ,जिसमें बिहार को 62 रनों से हार का मुंह देखना पड़ा। मध्य प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 174 रन बनाए। इसके बाद बिहार की टीम सिर्फ 112 रनों पर सिमट गई। मैच में वैभव सूर्यवंशी बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं। वैभव सूर्यवंशी कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए और बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुए। उन्होंने 9 गेंदों में सिर्फ 13 रन बनाए, जिसमें एक चौका और एक छक्का शामिल रहा। उनके अलावा कप्तान शाकिबुल गनी भी 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। बिहार की टीम के लिए सिर्फ विपिन सौरभ ने ही कुछ देर क्रीज पर टिकने की कोशिश की और उन्होंने 24 गेंदों में कुल 32 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और दो छक्के जड़े। बिहार की पूरी टीम 20 ओवर्स भी नहीं खेल पाई और 19.2 ओवर्स में टीम ने 112 रन बनाए। इसी वजह से उसे हार का मुंह देखना पड़ा।

राजस्थान ने त्रिपुरा को हराया

ग्रुप के एक अन्य मैच में राजस्थान ने सात गेंद शेष रहते त्रिपुरा को पांच विकेट से हराया। कमलेश नागरकोटी के तीन विकेट से त्रिपुरा को सात विकेट पर 169 रन पर रोकने के बाद राजस्थान ने शुभम गढ़वाल की 20 गेंद में 50 रन की पारी के बूते 18.5 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। राजस्थान के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कुणाल सिंह राठौड़ ने 18 गेंद में नाबाद 33 रन की आक्रामक पारी खेली। उत्तराखंड ने कुणाल चंदेला (94) और आंजनेय सूर्यवंशी की नाबाद 73 रन की पारी से सौराष्ट्र को छह विकेट से हराया। सौराष्ट्र को सात विकेट पर 183 रन पर रोकने के बाद उत्तराखंड ने 18.1 ओवर में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

एशेज टेस्ट

'पिंक बॉल' टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया ने किया स्क्वाड का ऐलान

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 4 दिसंबर से गाबा में शुरू होने जा रहे डे-नाइट एशेज टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें कोई बदलाव नहीं किया गया।

कप्तान पैट कमिंस लगातार दूसरे मैच में नहीं खेल सकेंगे। पैट कमिंस पीठ की चोट के कारण पर्थ में सीरीज का पहला टेस्ट में नहीं खेले थे। इस लो-स्कोरिंग मुकाबले को ऑस्ट्रेलियाई ने सिर्फ दो दिनों के अंदर अपने नाम किया था। इस तेज गेंदबाज को पूरी तरह से फिट होने के लिए दो हफ्तों का समय दिया गया है। 32 वर्षीय पैट कमिंस टीम के साथ ब्रिस्बेन जाएंगे। पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में ब्रेंडन डॉगेट, मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड के साथ अपनी जगह बनाए रख सकते हैं। ब्रेंडन डॉगेट ने पर्थ में टेस्ट डेब्यू करते हुए 5 विकेट हासिल किए थे।

ओपनर उस्मान ख्वाजा टीम में शामिल

टीम में अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा को शामिल किया गया है। ख्वाजा पीठ में ऐंठन के कारण पर्थ में खेल गए सीरीज के पहले मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं कर सके थे। ऑस्ट्रेलियाई टीम रविवार को गाबा में अपना पहला ट्रेनिंग सेशन करेगी,जिसके बाद सोमवार को एक सेशन होगा। बता दे कि पर्थ स्टेडियम में खेले गए सीरीज के शुरुआती मैच में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में महज 172 रन पर सिमट गई थी। इस पारी में मिचेल स्टार्क ने 7 विकेट हासिल किए थे।

कमिंस की एडिलेड टेस्ट में वापसी की संभावना : दूसरा टेस्ट चार दिसंबर से शुरू होगा। कमिंस हालांकि टीम के अभ्यास करना जारी रखने के लिए ब्रिसबेन जाएंगे। उनके 17 दिसंबर से एडिलेड में होने वाले तीसरे टेस्ट में वापसी करने की संभावना है। कमिंस को इससे पहले शुक्रवार को ही सिडनी क्रिकेट मैदान पर टीम के अभ्यास सत्र में स्मिथ को गेंदबाजी करते हुए देखा गया था।

अंडर-19 एशिया कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान, वैभव टीम में

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को अंडर-19 एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान बरकरार रखा गया। टीम में आक्रामक किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को जगह मिली है जबकि 12 से 21 दिसंबर तक दुबई में 50 ओवरों के प्रारुप में खेले जाने वाले इस आयु वर्ग के महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए विहान मल्होत्रा को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। म्हात्रे ने इससे पहले सितंबर और अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के बहु-प्रारुप दौरे के दौरान भी भारत का नेतृत्व किया था। यह टूर्नामेंट अगले साल जनवरी-फरवरी में जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेले जाने वाले अंडर-19 विश्व कप की तैयारी का आधार होगा।

भारतीय अंडर-19 टीम

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलान ए. पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह, उधव मोहन, आरोन जॉर्ज। स्टैंडबाई खिलाड़ीः राहुल कुमार, हेमचुदेशन जे, बीके किशोर,आदित्य रावत।

हॉकी विश्व कप में जर्मनी ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

मदुरै। गत चैंपियन जर्मनी ने दक्षिण अफ्रीका को 4-0 से हराकर एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत शानदार जीत के साथ की। सात बार के चैंपियन जर्मनी की ओर से जस्टस वारवेग ने 19वें और 56वें मिनट में मैदानी गोल दागे जबकि बेन हैशबैक (43वें मिनट) और पॉल ग्लेंडर (44वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर एक-एक गोल किया। पूल ए के पहले मैच में आयरलैंड ने कड़े मुकाबले में कनाडा को 4-3 से हराया। आयरलैंड को 13वें मिनट में लुई रोव से बढ़त दिलाई लेकिन गुरनूर भुल्लर ने 26वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। रोव ने 33वें मिनट में एक और मैदानी गोल दागकर स्कोर 2-1 किया जबकि ग्रेगरी विलियम्स ने 35वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर आयरलैंड को 3-1 से आगे कर दिया। माइलो थॉम्पसन ने एक और मैदानी गोल दागकर आयरलैंड की बढ़त को 4-1 किया।

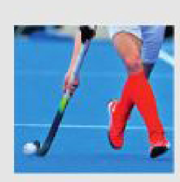

पाकिस्तान को हराकर ट्राई सीरीज के फाइनल में श्रीलंका, चमीरा को 4 विकेट

एजेंसी ▶▶| रावलपिंडी

तेज गेंदबाज दुष्मंता चमीरा (20 रन पर चार) ने लक्ष्य का बचाव करते हुए आखिरी ओवर में सिर्फ तीन रन खर्च किए, जिससे श्रीलंका ने त्रिकोणीय श्रृंखला के अपने करो या मरो मैच में पाकिस्तान को छह रन से हराकर फाइनल का टिकट पक्का किया। पाकिस्तान पहले ही फाइनल में पहुंच चुका था और जिम्बाब्वे की जगह खिताबी मुकाबले में पहुंचने के लिए श्रीलंका को खेले गए मैच में जीत की जरूरत थी। टीम ने सलामी बल्लेबाज कामिल मिसरा की 48 गेंदों में 76 रनों की पारी की बदौलत पांच विकेट पर 184 रन बनाने के बाद पाकिस्तान को सात विकेट पर 178 रन पर रोक दिया।

आगा की नाबाद पारी नहीं दिला सकी जीत

पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा के कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ नाबाद 63 रनों की पारी खेली लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। चमीरा ने पावरप्ले में अपने शुरुआती दो ओवर में तीन रन पर तीन विकेट लेकर पाकिस्तान को बैकफुट पर धकेल दिया और फिर आखिरी ओवर में क्रीज पर आगा की मौजूदगी के बावजूद 10 रन का शानदार तरीके से बचाव किया। उन्होंने चौथे ओवर में साहिबजादा फरहान (नौ) को धीमी गेंद पर गच्चा देने के बाद बाबर आजम (शून्य) को खाता खोले बगैर पगबाधा किया।

21 से 30 दिसंबर तक विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में होंगे मैच

भारतीय टीम श्रीलंका से खेलेगी 5 मैचों की सीरीज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम 21 से 30 दिसंबर तक विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी। बीसीसीआई ने शुक्रवार को जानकारी दी। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ निर्धारित मैच दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण स्थगित कर दिया गया था।

हाल ही में वनडे विश्व कप जीतने के बाद यह भारतीय महिला टीम का पहला मैच होगा। बीसीसीआई से जारी बयान के मुताबिक,'भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। भारत अगले महीने पांच मैचों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका की मेजबानी करेगा। यह श्रृंखला विशाखापत्तनम में शुरू होगी और शेष मैच तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे।'

पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय	:	21 दिसंबर, विशाखापत्तनम
दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय	:	23 दिसंबर, विशाखापत्तनम
तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय	:	26 दिसंबर, तिरुवनंतपुरम
चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीय	:	28 दिसंबर तिरुवनंतपुरम
पांचवां टी20 अंतरराष्ट्रीय	:	30 दिसंबर तिरुवनंतपुरम

श्रीलंका टीम 2016 के बाद भारत में खेलेगी सीरीज

पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक भारतीय महिला टीम को इसी दौरान बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भाग लेना था। श्रीलंका की टीम 2016 के बाद पहली बार भारत में कोई द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी, जिसे मेजबान टीम ने 3-0 से जीता था। भारतीय महिला टीम ने इस साल जुलाई में इंग्लैंड में अपनी पिछली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेली थी। टीम ने इस श्रृंखला को 3-2 से जीत कर इतिहास रचा था। यह इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में टीम की पहली टी20 श्रृंखला जीत थी।

पुणे ग्रैंड टूर 19 जनवरी से भारत की दो टीमें लेंगी हिस्सा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की पहली 'यूनियन साइकिलिस्ट इंटरनेशनल (यूसीआई)' 2.2 श्रेणी की रोड रेस चैंपियनशिप 'पुणे ग्रैंड टूर' के शुरुआती सत्र का आयोजन 19 से 23 जनवरी तक होगा। भारतीय साइकिलिंग महासंघ (सीएफआई) इसमें दो टीमें उतारेगा। इन टीमों का चयन ओडिशा के संबलपुर में दो से छह दिसंबर तक होने वाले राष्ट्रीय चैंपियनशिप सह चयन ट्रायल से होगा। इससे चयनित खिलाड़ियों का आकलन 28 दिसंबर को पुणे में एक राष्ट्रीय रोड रेस के माध्यम से किया जाएगा। भारत 'ए' और भारत 'बी' की उपस्थिति से उभरते और अनुभवी साइकिल चालक खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बड़ा मंच मिलेगा। 'बजाज पुणे ग्रैंड टूर' भारत में वैश्विक साइकिलिंग का प्रमुख आयोजन है। इसका उद्देश्य पुणे और भारत को यूसीआई के वैश्विक कैलेंडर में स्थायी रूप से शामिल करना है।

इमरान खान को क्यों छिपा रही पाकिस्तानी सेना:

-बहन बोलीं- आर्मी चीफ आसिम मुनीर नए हिटलर, भाई से मिलने नहीं दे रहे

नई दिल्ली। पाकिस्तान की सियासत एक बार फिर उबाल पर है। इस बार सवाल किसी चुनाव या तख्तापलट का नहीं, बल्कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की ज़िंदगी और मौजूदगी को लेकर है। अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद इमरान खान को लेकर बीते कुछ हफ्तों में हालात ऐसे बन गए हैं कि खुद उनके परिवार को भी नहीं पता कि वे कैसे हैं और कहां हैं। इमरान खान के बेटे कासिम खान का बयान आग में घी डालने जैसा है। उनका कहना है कि पिछले छह हफ्तों से इमरान खान को डेथ सेल में पूरी तरह अकेले रखा गया है। न कोई फोन कॉल, न कोई मुलाकात, न ही इस बात का कोई सबूत कि वे ज़िंदा हैं। उनकी बहनों को मिलने से रोका जा रहा है, जबकि कोर्ट ने साफ आदेश दिया है कि परिवार और वकील उनसे मिल सकते हैं।

परिवार बनाम सरकार-

इमरान खान के परिवार के आरोप बेहद गंभीर हैं। उनकी बहनें नूरीन नियाज़ी, अलीमा खान और उज़्मा खान लगातार कह रही हैं कि सेना और सरकार जानबूझकर इमरान को दुनिया से अलग कर रही है। उनका आरोप है कि पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर "नए हिटलर" की तरह बर्ताव कर रहे हैं और इमरान खान को पूरी तरह ख़ामोश करना चाहते हैं। इसके ठीक उलट सरकार का दावा है। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ के सलाहकार राणा सनाउल्लाह कहते हैं कि इमरान खान पूरी तरह सुरक्षित हैं, उनकी सेहत ठीक है और डॉक्टरों की टीम रोज़ उनकी जांच करती है। सरकार के मुताबिक उन्हें दवा, डाइट, एक्सरसाइज और तमाम सुविधाएं दी जा रही हैं। यानी एक तरफ परिवार कह रहा है कि इमरान की जान को खतरा है, दूसरी तरफ सरकार कह रही है कि सब कुछ ठीक है। लेकिन सवाल यह है कि अगर सब ठीक है, तो परिवार को उनसे मिलने क्यों नहीं दिया जा रहा?

कोर्ट के आदेश भी बेअसर-

इस पूरे मामले की सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि पाकिस्तान की अदालतों के आदेशों को भी अनदेखा किया गया है। मार्च 2025 में इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने साफ कहा था कि इमरान खान को अपने परिवार और वकीलों से मिलने दिया जाए। जेल प्रशासन ने इस आदेश को नहीं माना। फिर अक्टूबर 2025 में कोर्ट ने दोबारा निर्देश दिए, लेकिन हालात जस के तस रहे। कानून के जानकार मानते हैं कि यह सिर्फ जेल प्रशासन की मनमानी नहीं, बल्कि इसके पीछे सेना और खुफिया एजेंसियों की सीधी दखलअंदाज़ी है। पाकिस्तान में यह कोई नई बात नहीं है। जब भी कोई लोकप्रिय नेता सेना को चुनौती देता है, तो उसे या तो सियासत से बाहर कर दिया जाता है या फिर इस तरह अलग-थलग कर दिया जाता है।

सोशल मीडिया पर फैली अफ़वाहें-

26 नवंबर को हालात तब और बिगड़ गए जब सोशल मीडिया पर खबर फैल गई कि जेल में इमरान खान की हत्या कर दी गई है। हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई, लेकिन इस खबर ने पाकिस्तान में जबरदस्त हलचल मचा दी। इमरान की बहनें और समर्थक तुरंत अडियाला जेल पहुंच गए और चार दिन से वहीं डटे हुए हैं। PTI (पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ) के कार्यकर्ता पूरे देश में सड़कों पर उतर आए। याद दिलाना जरूरी है कि इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पहले भी पाकिस्तान में भीषण हिंसा हो चुकी है। सरकारी इमारतों पर हमले हुए थे, सेना प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया था। ऐसे में एक बार फिर वही हालात बनने का खतरा मंडरा रहा है।

मुख्यमंत्री आवास पर सियासी ब्रेकफास्ट

-सत्ता की खींचतान के बीच सिद्धारमैया और शिवकुमार साथ आए

नई दिल्ली। कर्नाटक की सियासत में चल रही मुख्यमंत्री पद की खींचतान के बीच शनिवार सुबह एक अहम घटनाक्रम देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री आवास पर साथ बैठकर नाश्ता किया। इस मुलाकात को केवल औपचारिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि सत्ता समीकरणों में संभावित सुलह और समाधान की दिशा में एक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। लंबे समय से कांग्रेस के भीतर मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर चल रही अटकलों के बीच यह बैठक राजनीतिक रूप से बेहद मायने रखती है। बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। हालांकि आधिकारिक तौर पर बातचीत का ब्योरा सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि हाईकमान के निर्देश पर दोनों नेताओं ने आपसी मतभेद सुलझाने और सरकार की स्थिरता बनाए रखने पर चर्चा की। कांग्रेस नेतृत्व पहले ही यह साफ कर चुका है कि राज्य सरकार में किसी भी तरह की अस्थिरता पार्टी के हित में नहीं है। एक दिन पहले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि पार्टी हाईकमान ने उन्हें और डीके शिवकुमार को दिल्ली बुलाया था और आपस में बैठकर बातचीत करने को कहा है। सिद्धारमैया ने कहा, "मुख्यमंत्री बदलाव को लेकर पार्टी हाईकमान जो भी फैसला करेगा, मैं उसे मानूंगा। हम दोनों पहले भी यह कह चुके हैं कि पार्टी का फैसला अंतिम होगा और हम उसका पालन करेंगे। अगर हाईकमान बुलाएगा तो हम दिल्ली भी जाएंगे।" उनके इस बयान को सुलह और अनुशासन का संकेत माना गया। वहीं, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी बयानबाजी में संयम दिखाया है। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा था कि उन्हें फिलहाल कुछ नहीं चाहिए और वे किसी जल्दबाजी में नहीं हैं। शिवकुमार ने साफ कहा, "फैसला मेरी पार्टी करेगी। मैं किसी तरह की समुदाय आधारित राजनीति में विश्वास नहीं करता। कांग्रेस ही मेरा समुदाय है और मुझे सभी वर्गों से समान प्यार है।" उनके इस बयान को भी हाईकमान को यह संदेश देने के तौर पर देखा गया कि वे पार्टी लाइन से हटकर कोई कदम नहीं उठाना चाहते। दरअसल, कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही यह चर्चा रही है कि मुख्यमंत्री पद को लेकर सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझेदारी का फॉर्मूला है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि कभी नहीं हुई, लेकिन समय-समय पर सामने आने वाले बयान और घटनाएं इस चर्चा को हवा देती रही हैं।

एयरबस A320 विमानों पर सोलर रेडिएशन का खतरा

-सॉफ्टवेयर अपडेट के चलते सैकड़ों उड़ानों पर असर

नई दिल्ली। दुनिया में सबसे ज़्यादा इस्तेमाल होने वाले सिंगल-आइल विमान एयरबस A320 सीरीज पर हाल के दिनों में एक नया तकनीकी खतरा सामने आया है। विशेषज्ञों के अनुसार तेज़ सोलर रेडिएशन (सौर विकिरण) विमानों के फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम में गड़बड़ी पैदा कर सकता है। इससे विमान की ऊंचाई, दिशा, स्पीड और कंट्रोल से जुड़ा अहम डेटा प्रभावित होने का खतरा है, जो उड़ान सुरक्षा के लिहाज़ से गंभीर माना जा रहा है। इस संभावित जोखिम को देखते हुए एयरबस ने A320 सीरीज के सभी विमानों में सॉफ्टवेयर अपडेट के निर्देश जारी किए हैं। इसका असर भारत समेत दुनिया भर के करीब 6,000 विमानों के ऑपरेशन पर पड़ सकता है। माना जा रहा है कि इस प्रक्रिया के दौरान सैकड़ों उड़ानों में देरी या कुछ फ्लाइट्स के रद्द होने की स्थिति बन सकती है।

भारत में 200–250 विमानों पर असर-

भारत में इंडिगो और एयर इंडिया ग्रुप के पास A320 सीरीज के लगभग 560 विमान हैं। इनमें से करीब 200 से 250 विमानों को तुरंत सॉफ्टवेयर अपग्रेड की जरूरत बताई जा रही है। एयरलाइनों के अनुसार यह अपडेट 2–3 दिनों में पूरा होने की उम्मीद है। इस दौरान संबंधित विमान उड़ान नहीं भर पाएंगे। संभावना जताई जा रही है कि 2 दिसंबर तक फ्लाइट ऑपरेशन सामान्य हो जाएगा।

अमेरिकी फ्लाइट की घटना बनी वजह-

इस सॉफ्टवेयर अपडेट का फैसला हाल में अमेरिका में हुई एक घटना के बाद लिया गया। यूरोपियन यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी (EASA) के मुताबिक, 30 अक्टूबर 2025 को अमेरिकी एयरलाइन जेटब्लू के एक A320 विमान में बिना पायलट कमांड के "पिच डाउन" की स्थिति पैदा हो गई। कैनकन से नेवार्क जा रही इस फ्लाइट में विमान अचानक नीचे की ओर झुकने लगा। हालांकि पायलटों ने स्थिति संभाल ली और विमान सुरक्षित तरीके से लैंड हो गया, लेकिन कुछ यात्रियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। एयरबस की शुरुआती जांच में पाया गया कि इस घटना का संभावित कारण सर्विसेबल एलिवेटर एलरॉन कंप्यूटर (ELAC) में खराबी हो सकता है।

ELAC सिस्टम पर खास फोकस-

ELAC विमान के फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम का बेहद अहम हिस्सा होता है, जो पिच और रोल मूवमेंट को कंट्रोल करता है। सोलर रेडिएशन से इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स प्रभावित होने पर ELAC गलत डेटा प्रोसेस कर सकता है। इसी वजह से एयरबस ने सभी ऑपरेटरों को ELAC से जुड़े सॉफ्टवेयर अपडेट करने और जरूरत पड़ने पर हार्डवेयर अपग्रेड के निर्देश दिए हैं। एयरबस की A320 सीरीज में A319, A320ceo, A320neo, A321ceo और A321neo शामिल हैं। नए विमानों में सॉफ्टवेयर अपडेट की प्रक्रिया सिर्फ आधे घंटे में पूरी हो सकती है।

ट्रम्प ने बाइडेन के 92% एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स रद्द किए

-अमेरिका में राजनीतिक तनाव बढ़ा

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राजनीति में एक बार फिर नया विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की है कि उन्होंने अपने पूर्ववर्ती जो बाइडेन के कार्यकाल में जारी किए गए 92% एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स को रद्द कर दिया है। ट्रम्प ने इस कदम की जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "ट्रुथ" पर दी और दावा किया कि ये सभी ऑर्डर्स ऑटोपेन यानी मशीन से साइन किए गए थे, जिनमें बाइडेन की व्यक्तिगत मंजूरी नहीं थी। उनका कहना है कि बिना राष्ट्रपति की हस्ताक्षर मंजूरी वाले ये आदेश अवैध हैं। ट्रम्प के इस फैसले से बाइडेन के कई महत्वपूर्ण योजनात्मक और नीति संबंधी आदेश प्रभावित हो सकते हैं। इनमें स्वास्थ्य क्षेत्र, पर्यावरण संरक्षण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े नियम शामिल हैं। उदाहरण के लिए, बाइडेन प्रशासन द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए उठाए गए कदम या स्वास्थ्य सुधार से जुड़े आदेश इस बदलाव से बाधित हो सकते हैं। एआई क्षेत्र में नियमों की दिशा भी प्रभावित होने की संभावना है, जिससे तकनीकी उद्योग और अनुसंधान के लिए नई चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। इस दौरान ट्रम्प ने बाइडेन को 'स्लीपी जो' यानी सुस्त जो और 'क्रूक्ड जो' यानी चालाक जो कहकर निशाना भी बनाया। ट्रम्प ने चेतावनी दी कि यदि बाइडेन इन दस्तावेजों पर अपनी सहमति का दावा करते हैं तो उन पर झूठे बयान और कानूनी कार्रवाई की संभावना हो सकती है। यह बयान अमेरिकी राजनीति में गंभीर तनाव और विरोधाभास की झलक दिखाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रम्प का यह कदम केवल राजनीतिक संकेत नहीं, बल्कि बाइडेन प्रशासन की नीतियों पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालने वाला कदम है। यह कदम व्हाइट हाउस के पास हुए नेशनल गार्ड्स पर हमले और देश में बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच आया है, जिससे अमेरिका में राजनीतिक अस्थिरता की चिंता बढ़ गई है। कुल मिलाकर, ट्रम्प द्वारा बाइडेन के अधिकांश एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स रद्द करना अमेरिकी राजनीति में नई बहस और विवाद का केंद्र बन गया है।

उत्तराखंड भूकंप जोन-6 में शामिल:

-हिमालयी क्षेत्र में सबसे अधिक जोखिम, 61% देश प्रभावित

देहरादून। भारत में भूकंप जोखिम का आकलन करने के लिए सबसे बड़े वैज्ञानिक पुनर्मूल्यांकन के तहत ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (BIS) ने नया अर्थक्वेक डिज़ाइन कोड और अपडेटेड भूकंपीय जोन मैप जारी किया है। इस नए मैप में पूरे हिमालयी क्षेत्र को पहली बार सबसे अधिक जोखिम वाले जोन-VI में रखा गया है। उत्तराखंड का पूरा क्षेत्र भी अब इस उच्च जोखिम वाले जोन में शामिल किया गया है। इससे पहले राज्य का अधिकांश हिस्सा Zone-IV में था, जबकि धारचूला, मुनस्यारी और उत्तरकाशी जैसी जगहों को Zone-V में रखा जाता था। नए जोन मैप के अनुसार, पूरे भारत का लगभग 61% हिस्सा अब मध्यम से उच्च भूकंपीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। यह आंकड़ा पहले 59% था। विशेषज्ञों के अनुसार यह पिछले कई दशकों में भारत में भूकंप जोखिम आकलन का सबसे बड़ा बदलाव है। यह बदलाव इस बात को दर्शाता है कि वैज्ञानिकों ने हिमालयी क्षेत्र की भूकंपीय संवेदनशीलता को समझने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के निदेशक, डॉ. विनीत कुमार गहलोत ने बताया कि सिस्मिक जोनिंग मैपिंग का कार्य BIS करता है। उन्होंने कहा कि इस नए मैप में हिमालयन रीजन में सबसे बड़ा परिवर्तन किया गया है। पहले उत्तराखंड को दो मुख्य भागों में बांटा गया था। उच्च जोखिम वाले क्षेत्र यानी Zone-V में धारचूला, मुनस्यारी और उत्तरकाशी जैसे ऊंचाई वाले इलाके आते थे, जबकि देहरादून, ऋषिकेश और कोटद्वार जैसे निचले इलाके Zone-IV में थे। डॉ. गहलोत ने आगे बताया कि पहले भूकंपीय समझ यही थी कि उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में खतरा ज्यादा है और नीचे के हिस्सों में कम। मगर नए सिस्मिक जोनिंग के अनुसार अब पूरे राज्य को उच्च जोखिम वाले क्षेत्र में रखा गया है। इसका मतलब यह है कि देहरादून, ऋषिकेश और कोटद्वार जैसे इलाके भी अब भूकंप के दृष्टिकोण से अत्यधिक संवेदनशील माने जाएंगे। भूकंपीय जोखिम को देखते हुए, नए डिज़ाइन कोड में निर्माण कार्यों, इमारतों और अवसंरचना के निर्माण में सुरक्षा मानकों को और सख्त किया गया है। इससे भवन निर्माण, सड़कों और पुलों की डिज़ाइन में भूकंप-सुरक्षा उपायों को अनिवार्य किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव से भूकंप के समय होने वाली हानि को काफी हद तक कम किया जा सकता है। विशेषज्ञों ने यह भी चेताया है कि हिमालयी क्षेत्र भूकंप के लिए प्राकृतिक रूप से संवेदनशील है, क्योंकि यह क्षेत्र टेक्टोनिक प्लेटों के मिलने वाले इलाके में आता है। लगातार हिमालय में प्लेटों के आंदोलनों के कारण भूकंप का खतरा बढ़ता जा रहा है। नए मैप और डिज़ाइन कोड के अनुसार, अब सरकारी और निजी परियोजनाओं में भूकंप रोधी उपायों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस नई व्यवस्था के लागू होने से उत्तराखंड में भवन निर्माण, नगर नियोजन और आपदा प्रबंधन की योजनाओं में बदलाव की आवश्यकता होगी। लोगों को भी अब अपनी सुरक्षा के लिए अधिक सतर्क और तैयार रहना होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के वैज्ञानिक बदलाव और अपडेटेड जोनिंग मैप से भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत गंभीर

-सीने के इन्फेक्शन से जूझ रहीं

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत गंभीर बनी हुई है। यह जानकारी उनकी पार्टी, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के महासचिव मिर्जा इस्लाम आलमगीर ने शुक्रवार को दी। 80 वर्षीय खालिदा जिया लंबे समय से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही हैं। उन्हें लिवर, किडनी की बीमारी, डायबिटीज, गठिया और आंखों की परेशानी जैसी बीमारियां हैं। आलमगीर ने बताया कि 23 नवंबर को खालिदा जिया को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हाल ही में डॉक्टरों ने उनकी सेहत पर चिंता जताई है और बताया कि उनकी शारीरिक स्थिति बेहद नाजुक है। उन्हें सीने में इन्फेक्शन हुआ है, जो उनके दिल और फेफड़ों पर गंभीर असर डाल रहा है। इस संक्रमण के चलते उनकी हालत लगातार बिगड़ रही है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने भी खालिदा जिया की बिगड़ती सेहत पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने जनता से अपील की है कि वे उनकी जल्द से जल्द सलामती और स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करें। यूनुस ने कहा कि खालिदा जिया की सेहत पर ध्यान देना और उन्हें सहयोग देना सभी के लिए ज़रूरी है। फिलहाल, खालिदा जिया को ढाका के एवरकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां उनकी देखभाल के लिए स्थानीय और विदेशी डॉक्टरों की एक टीम काम कर रही है। डॉक्टर उनकी स्थिति का लगातार मूल्यांकन कर रहे हैं और हर संभव इलाज कर रहे हैं। BNP के सदस्यों और समर्थकों ने भी उनकी सलामती के लिए प्रार्थना शुरू कर दी है और आशा जताई है कि वे जल्द ही स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करेंगी।

यूक्रेन के चीफ ऑफ स्टाफ येरमाक पर 800 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार, पद से इस्तीफा

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन की एंटी-करप्शन एजेंसियों ने राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ, एंड्री येरमाक के घर की तलाशी ली है। यह कार्रवाई 2025 की शुरुआत में शुरू हुई जांच का हिस्सा है, जिसमें लगभग 800 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ था। इस मामले में जेलेंस्की के कई करीबी घिर चुके हैं और येरमाक पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच पद छोड़ने का दबाव बढ़ता जा रहा था। तलाशी के बाद येरमाक ने चीफ ऑफ स्टाफ पद से इस्तीफा दे दिया। जेलेंस्की ने राष्ट्रपति ने कहा कि वे जल्द ही नए सहयोगी की तलाश करेंगे। इससे पहले भी जेलेंस्की ने दो मंत्रियों को भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते बर्खास्त कर दिया था। कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि राष्ट्रपति के पुराने बिजनेस पार्टनर, तिमुर मिनडिच, देश छोड़कर भाग चुके हैं। येरमाक जेलेंस्की के सबसे करीबी सलाहकार माने जाते हैं और उन्हें देश का दूसरा सबसे ताकतवर शख्स कहा जाता है। वे अमेरिका और रूस के बीच यूक्रेन की तरफ से शांति वार्ता में भी हिस्सा ले रहे थे। उनकी भूमिका से देश की अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर असर पड़ा था। हालांकि येरमाक ने तलाशी के दौरान सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि उनकी तरफ से जांच एजेंसियों को पूरी मदद दी जा रही है और वे किसी केस में आरोपी नहीं हैं। उन्होंने अपने समर्थकों को आश्वस्त किया कि वह कानूनी प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं और पूरी पारदर्शिता बनाए रखेंगे। इस मामले ने यूक्रेन में सत्ता और भ्रष्टाचार के बीच की संवेदनशील स्थिति को फिर से उजागर कर दिया है। ऐसे समय में जब देश बाहरी दबाव और आंतरिक राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, येरमाक का इस्तीफा एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत माना जा रहा है।

नेशनल हेराल्ड केस:

-फैसला तीसरी बार टला, ED चार्जशीट पर संज्ञान लेने को कोर्ट करेगी फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में नेशनल हेराल्ड मामले का फैसला अब तीसरी बार टल गया है। इस मामले में सबसे अहम बात यह है कि कोर्ट को तय करना है कि क्या मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ED) की चार्जशीट पर संज्ञान लिया जाए या नहीं। इस केस के मुख्य आरोपियों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी शामिल हैं।

चार्जशीट में प्रमुख आरोप-

ED की चार्जशीट में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और कई अन्य वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं के नाम हैं। इन नेताओं पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (AJL) से जुड़ी फाइनेंशियल गड़बड़ियों का आरोप लगाया गया है। AJL ही असल में नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करती थी। कोर्ट ने 14 जुलाई को बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था, जिसे बाद में 29 जुलाई, 8 अगस्त और 29 नवंबर तक टाला गया। अब कोर्ट ने अगली सुनवाई और फैसला 16 दिसंबर को सुनाने की तिथि तय की है।

राहुल-सोनिया पर ED के दो मुख्य आरोप-

ED का आरोप है कि सोनिया और राहुल गांधी ने AJL हड़पने की कोशिश की। आरोप के अनुसार, AJL घाटे में थी, लेकिन इसके पास दो हजार करोड़ रुपए की संपत्ति होने के बावजूद इसने कांग्रेस से 90 करोड़ रुपए का कर्ज लिया और उसे चुका नहीं पाई। आम तौर पर ऐसे मामलों में संपत्तियां को बेचकर कर्ज चुकाया जाता है। इसके बाद सोनिया और राहुल गांधी ने AJL का अधिग्रहण करने की साजिश रची। इसके लिए उन्होंने "यंग इंडियन" (YI) नाम की कंपनी बनाई। इस कंपनी में सोनिया और राहुल गांधी की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ED का आरोप है कि यह दिखावटी फंडिंग थी और असल में AJL से कोई वास्तविक लेन-देन नहीं हुआ।

ED ने की संपत्तियों पर कार्रवाई-

अप्रैल 2023 में ED ने ₹661 करोड़ की अचल संपत्तियों को जब्त करने का नोटिस जारी किया था। ED ने बताया कि उसने PMLA की धारा 8 और नियम 5(1) के अनुसार संबंधित संपत्तियों के रजिस्ट्रार को दस्तावेज सौंपे थे। साथ ही ED ने इन संपत्तियों को खाली करने की मांग भी की थी। इन अचल संपत्तियों के अलावा, ED ने AJL के 90.2 करोड़ रुपए के शेयरों को नवंबर 2023 में कुर्क किया था। ED का उद्देश्य था कि आरोपी इस संपत्ति को नष्ट न कर सकें और अपराध से प्राप्त आय सुरक्षित रह सके। इसके अलावा, मुंबई के बांद्रा में स्थित हेराल्ड हाउस की 7वीं, 8वीं और 9वीं मंजिल पर जिंदल साउथ वेस्ट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को भी नोटिस जारी किया गया था कि वह हर महीने का किराया ED के निदेशक के पक्ष में ट्रांसफर करें।

सोनिया-राहुल से पूछताछ-

नेशनल हेराल्ड केस में जांच के दौरान राहुल गांधी से जून 2022 में पांच दिनों में कुल 50 घंटे पूछताछ की गई। इसी तरह, सोनिया गांधी से 21 जुलाई 2022 को तीन दिनों में 12 घंटे तक सवाल पूछे गए। इस दौरान उनसे 100 से अधिक सवाल किए गए। ED ने जांच के दौरान यह सुनिश्चित किया कि आरोपियों से पूरी जानकारी हासिल की जा सके। नेशनल हेराल्ड केस में अब तक कई सुनवाई हो चुकी हैं और कोर्ट का फैसला बार-बार टल रहा है। ED का आरोप है कि AJL और यंग इंडियन के लेन-देन में गड़बड़ी हुई और इस पर संपत्तियों को जब्त किया गया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मो. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,